डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

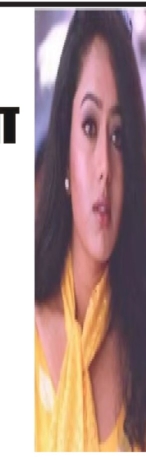

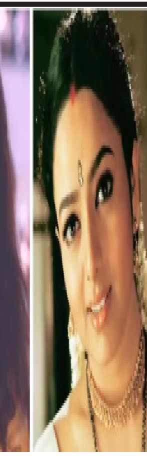

PG-5

सिनेमा- डॉक्टरी की पढ़ाई छोड़ फिल्मों में आई थीं सौंदर्या

वर्ष -08 अंक -120 प्रयागराज, सोमवार 18 जुलाई, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पंजाब के उपचुनाव नतीजों में इमरान की पार्टी की बंपर जीत

नई दिल्ली। विश्लेषकों ने कहा है कि इन उप चुनावों में पीटीआई की भारी जीत के बाद अब शहबाज शरीफ सरकार के लिए अपना बाकी बचा कार्यकाल पूरा करना कठिन हो जाएगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पंजाब में अपनी सरकार बनाने और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) को बाहर करने के लिए उपचुनावों में जरूरी संख्या में विधानसभा सीटें हासिल की हैं। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज के हवाल से यह रिपोर्ट आई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने 16 सीटें जीती हैं जबकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) ने तीन सीटें जीतीं। एक निर्दलीय उम्मीदवार ने भी पंजाब उपचुनाव में एक सीट जीती है। 20 सीटों के लिए रविवार को हुआ था मतदान पंजाब में प्रांतीय असेंबली की 20 सीटों के उपचुनाव के लिए मतदान रविवार को हुआ था। इन नतीजों से राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय होने की संभावना है। विश्लेषकों ने कहा है कि इन उप चुनावों में पीटीआई की भारी जीत के बाद अब शहबाज शरीफ सरकार के लिए अपना बाकी बचा कार्यकाल पूरा करना कठिन हो जाएगा। वहीं, पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत पंजाब में प्रांतीय असेंबली की 20 सीटों के उप चुनाव के नतीजों से ठीक पहले शहबाज शरीफ की पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर नकेल कसने की कोशिश की। संघीय सरकार ने पीटीआई नेताओं पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी बनाने का फैसला संघीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया।

मानसून सत्र से पहले पीएम मोदी बोले 'तीर्थक्षेत्र है संसद

नई दिल्ली। राष्ट्रहित में हो संवाद' संसद का मानसून सत्र आज से शुरू होने जा रहा है। 12 अगस्त तक चलने वाले इस सत्र में संसद की 18 बैठकें होंगी। इस सत्र के दौरान सरकार 32 बिल सूचीबद्ध करवाए हैं, इनमें से 24 नए बिल होंगे। फिलहाल संसद में 35 बिल पेंडिंग हैं, जिनमें से आठ बिलों को सरकार ने फिर से विचार के लिए लाएगीमानसून सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा, यह सत्र महत्वपूर्ण है। इसी समय, राष्ट्रपति पद और उपराष्ट्रपति पद के चुनाव हो रहे हैं। आज मतदान भी हो रहा है। इसी कालखंड में देश को नए राष्ट्रपति, नए उपराष्ट्रपति उनका मार्गदर्शन प्रारंभ होगा। पीएम मोदी ने कहा, हम हमेशा सदन को संवाद का एक सक्षम माध्यम मानते हैं। तीर्थक्षेत्र मानते हैं। जहां खुले मन से संवाद हो। जरूरत पड़े तो वाद-विवाद हो। आलोचना भी हो। चीजों का बारीकियों से विश्लेषण हो। ताकि, नीति व निणर्यों में सकारात्मक योगदान हो। सांसदों से आग्रह करूंगा कि गहन और उत्तम चर्चा हो। सदन को जितना ज्यादा प्रोडक्टिव बना सकें, इसके लिए सबका प्रयास हो। सभी के प्रयास से सदन चलता है। सदन की गरिमा बनाने के लिए हम सब अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए इस सत्र का राष्ट्रहित का उपयोग करें। आजादी के लिए जिन्होंने अपनी जवानी खपा दी, जिंदगी जेलों में काटी। उनके सपनों को याद रखते हुए सदन का सर्वाधिक उपयोग करें। संसद का मानसून सत्र थोड़ी देर में शुरू होने जा रहा है। इससे पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने ट्वीट कर सांसदों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, संसद का मानसून सत्र सुबह 11 बजे प्रारंभ होगा। देश की जनता की अपेक्षा है कि उनसे जुड़े विषयों पर सदन में सार्थक चर्चा हो। माननीय सदस्य देशहित के मुद्दों पर सकारात्मकता से विचार और संवाद करें। आशा है सभी दल, सदन की गरिमा और शालीनता को समृद्ध करते हुए इसमें अपना योगदान देंगे।

चार दिन बाद घटे कोरोना मामले, फिर भी संक्रमण दर 6 फीसदी के पार

नई दिल्ली। चिंता की बात यह है कि दैनिक संक्रमण दर अभी भी 6 फीसदी के पार बनी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना की संक्रमण दर 6.48 फीसदी है देश में दैनिक कोरोना मामलों में चार दिन बाद गिरावट आई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में कोरोना के कुल 16,935 नए मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना की संक्रमण दर 6.48 फीसदी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना से 51 लोगों की मौत भी हुई है। उताजा आंकडों के मुताबिक, देश में अब कोरोना के 1,44,264 सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना से 16,069 लोग ठीक भी हुए हैं। अब तक देश में कुल 43097510

मामले सामने आए हैं। जबकि, पिछले चार दिन से लगातार 20 हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे थे। पिछले आंकड़ों को देखा जाए तो रविवार को 20,528, शनिवार को 20,044, शुक्रवार को 20038 तो गुरुवार को 20,139 नए मामले सामने आए थे।हालांकि, चिंता की बात यह है कि दैनिक संक्रमण दर अभी भी 6 फीसदी के पार बनी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य लोग ठीक हुए हैं। देश में कोरोना टीकाकरण रविवार को 200 करोड़ के पार हो गया। इसी के साथ भारत ने इस अभियान में नया कीर्तिमान स्थापित किया। 24 घंटे के अंदर चार लाख से ज्यादा लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। वहीं देश में अब तक 200 करोड़ से ज्यादा कोरोना डोज लगाए गए हैं।

बिहार-यूपी में कब होगी मूसलाधार बारिश मौसम विभाग ने दी अब नई जानकारी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में भारी बारिश और बाढ़ के कारण हुए हादसों में अब तक 110 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं गुजरात में भी 100 से अधिक लोगों ने जान गवाई हैं। असम में 2.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। महाराष्ट्र, गुजरात और असम समेत कई राज्यों में जहां बाढ़ और बारिश से भयावह स्थिति बनी हुई है वहीं यूपी और बिहार के लोगों को मूसलाधार बारिश का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच मौसम विभाग ने ट्वीट कर बिहार और यूपी में मानसून वाली बारिश को लेकर नई तारीख दे दी है। आइए जानते हैं आपके राज्यों में मौसम के इन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार अरब सागर में कम दबाव के कारण मानसून अधिक सक्रिय हो गया है। जिसके कारण आगामी 24 घंटे तक भारी बरसात की संभावना है। साबरकांठा, अरवल्ली, बनासकांठा, वलसाड, डांग, दमण, नवसारी, सूरत, तापी, जूनागढ़, पोरबंदर और द्वारका में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश पूर्वी राजस्थान के कई इलाकों में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश हुई है। अजमेर के श्रीनगर, भद्रा और सुजानगढ़, टोंक में रविवार सुबह तक आकाशीय

का ताजा हाल क्या है भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (घ्श्र्‌) के अनुसार,19 जुलाई से उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान है, जोकि 23 जुलाई तक जारी रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, आज यानी 18 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार बिहार में भी 19 जुलाई के बाद ही मानसून सक्रिय हो पाएगा। फिलहाल इसके पहले बारिश की संभावना बहुत कम है। घ्श्र्‌ प्रमुख के अनुसार, बीते एक सप्ताह से मानसून की ट्रफ रेखा लगभग एक ही स्थान से गुजरने के कारण बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में बारिश नहीं हो पा रही है। 17 जुलाई तक स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी। गुजरात बिजली के साथ तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के क्षेत्रीय निदेशक राधेश्याम शर्मा ने कहा, अगले चार-पांच दिनों में पूर्वी राजस्थान में कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 19 जुलाई को जयपुर, भरतपुर, अजमेर और कोटा संभागों में कई जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।गोदावरी के जलस्तर में मामूली कमी आंध्रप्रदेश में गोदावरी नदी में रविवार सुबह जलस्तर मामूली कमी के साथ 25.20 लाख क्यूसेक पर दर्ज किया गया। आंध्रप्रदेश जल संसाधन सूचना और प्रबंधन प्रणाली के आंकड़ों के अनुसार, राजामहेंद्रवरम के पास डोवालेस्वरम में सर आर्थर कॉटन बैराज में पानी के प्रवाह में बढ़ोतरी का डर बना हुआ था।

भाजपा के एक और गढ़ में केजरीवाल की सेंध, क्या मप्र के विधानसभा चुनाव में चलेगी 'झाड़ू'

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के पहले केजरीवाल ने भाजपा के गढ़ गुजरात के सूरत में सेंध लगाई थी। इसे दशकों से राज्य में एकछत्र राज कर रही भाजपा के लिए करारा झटका माना गया था। आम आदमी पार्टी ने भाजपा के एक और गढ़ में सेंध मार दी है। आप की मेयर प्रत्याशी रानी अग्रवाल को मध्य प्रदेश के सिंगरौली में बड़ी जीत हासिल हुई है। इस जीत में महत्वपूर्ण बात यह है कि आप प्रत्याशी ने यह जीत भाजपा के उम्मीदवार को हराकर हासिल की है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या केजरीवाल ने भाजपा के एक और गढ़ में सेंध लगा दी है? क्या यह सिलसिला अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भी बरकरार रहने वाला है? आप की इस राजनीति से असली नुकसान किसे होगा भाजपा को या कांग्रेस को मप्र के सिंगरौली में आम आदमी पार्टी के जिन चार अन्य पार्षदों को जीत मिली है, उनमें से भी दो ने भाजपा के प्रत्याशियों को ही हराकर जीत पाई है। मध्य प्रदेश के पहले केजरीवाल ने भाजपा के गढ़ गुजरात के सूरत में सेंध लगाई थी। इसे दशकों से राज्य में एकछत्र राज कर रही भाजपा के लिए करारा झटका माना गया था। अब मध्य प्रदेश में जीत से आप नेता उत्साहित हैं। वे इसे राष्ट्रीय राजनीति में केजरीवाल की बढ़ती स्वीकार्यता के तौर पर देख रहे हैं। उनका मानना है कि आप की जनहितैषी योजनाओं की लोकप्रियता अब दिल्ली के बाहर भी लोगों को आकर्षित कर रही है। यह उन्हें दिल्ली और पंजाब से बाहर लोकप्रिय बना रही है और इसके जरिए देश की राजनीति को एक और विकल्प मिल रहा है। आम आदमी पार्टी को सिंगरौली में मिली जीत के पीछे स्थानीय राजनीतिक वजहों को खारिज नहीं किया जा सकता। सिंगरौली में जीतीं रानी अग्रवाल, पूर्व में भारतीय जनता पार्टी की नेता रही हैं और उसके टिकट पर चुनाव भी जीत चुकी हैं। लिहाजा, उनकी राजनीति को खड़ा करने में भाजपा के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। दूसरी बात, नगर निगम चुनावों में मतदान बहुत ज्यादा स्थानीय स्तर का होता है। इनमें मिली जीत किसी पार्टी की विचारधारा को मिली स्वीकार्यता से ज्यादा प्रत्याशियों की अपने क्षेत्र में लोकप्रियता के आधार पर देखी जाती है, लिहाजा सिंगरौली की इस जीत को आम आदमी पार्टी की विचारधारा को मिली जीत करार नहीं दिया जा सकता। लेकिन, यह ध्यान में रखना चाहिए कि भाजपा हो या कांग्रेस, दूसरे दलों से आये नेताओं के कंधे पर सवार होकर ही इन दलों ने अपनी राजनीति को आगे बढ़ाया है। भाजपा ने तो हाल ही में केवल दूसरे दलों से आए नेताओं के सहारे ही अनेक राज्यों में अपनी सरकारें बनाई हैं। ऐसे में केवल इस तर्क से आम आदमी पार्टी की जीत को कमतर करके नहीं बताया जा सकता। इसी तर्क पर भाजपा की एक और मोर्चे पर करारी हार हुई है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के बड़े कद के बाद भी भाजपा को उनके गढ़ ग्वालियर में हार का सामना करना पड़ा है। ग्वालियर में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पार्टी के लिए खूब प्रचार भी किया था, लेकिन इसके बाद भी वे अपने गढ़ में भाजपा को जीत दिलाने में नाकाम साबित हुए। यहां कांग्रेस प्रत्याशी मेयर चुनी गई हैं। इसके साथ ही कांग्रेस की जबलपुर में भी मजबूत वापसी की है। यहां कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी ने जीत हासिल की। सिंगरौली में आम आदमी पार्टी को जीत हासिल हुई है। उसके चार अन्य पार्षद भी जीत हासिल करने में कामयाब रहे हैं। जैसा कि केजरीवाल दावा करते हैं कि वे एक वैकल्पिक राजनीति को बढ़ावा देंगे, यह विधानसभा चुनाव में भी उनकी जीत की संभावनाओं के द्वार खोल सकता है, इसलिए आम आदमी पार्टी को इस जीत का जशन मनाने का पूरा हक है।हालांकि, विचारधारा के तौर पर केजरीवाल को अपनी जड़ें मजबूत करने में अभी समय लगने वाला है। पार्टी को यह ध्यान रखना होगा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में उसके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तक पाला बदलकर भाजपा में शामिल हो चुके हैं, ऐसे में जनता के बीच विचारधारा को मजबूती से बिठाए बिना पार्टी की यह जीत क्षणिक और अस्थाई साबित हो सकती है। मध्यप्रदेश के सिंगरौली नगर निगम के लिए 6 जुलाई को मतदान हुआ था। 17 जुलाई को हुई मतगणना में आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी रानी अग्रवाल को जीत हासिल हुई है। उन्हें 34,585 वोट प्राप्त हुए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर भाजपा के चंद्र प्रताप विश्वकर्मा को 25,233 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार रानी अग्रवाल 9352 मतों के अंतर से जीत प्राप्त करने में कामयाब रहीं। वहीं, कांग्रेस प्रत्याशी अरविंद सिंह चंदेल तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें कुल 25,031 मत प्राप्त हुए।

भाजपा महिला नेता सुल्ताना खान पर बीच सड़क हमला, वीडियो आया सामने

नई दिल्ली। सुल्ताना के पति ने शक जाहिर किया है कि इस हमले के पीछे पार्टी के कुछ कार्यकर्ता भी हो सकते हैं। दरअसल, सुल्ताना ने कुछ दिन पहले ही लिखित रूप से पार्टी के आला अधिकारियों से शिकायत की थी। मुंबई में भाजपा महिला नेता सुल्ताना खान पर हमला हुआ है। यह हमला रविवार रात करीब 11 बजे हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया, सुल्ताना खान पर धारदार हथियार से हमला किया गया। हालांकि, हमलावर कौन थे? इस बारे में जानकारी नहीं हो पाई है। सुल्ताना खान भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे की महिला प्रदेश अध्यक्ष हैं। वह रविवार रात अपने पति के साथ डॉक्टर के यहां जा रहीं थीं। तभी मीरा रोड के पास दो बाइकसवारों ने उनकी गाड़ी रोक ली और सुल्ताना खान पर हमला किया। इस दौरान उनके पति ने हमलावरों का विरोध किया, जिसके बाद उनसे भी गाली गलौच की गई। हमले के बाद पति के शोर मचाने पर वहां पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई, जिसके बाद सुल्ताना खान को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर, सुल्ताना के पति ने शक जाहिर किया है कि इस हमले के पीछे पार्टी के कुछ कार्यकर्ता भी हो सकते हैं। दरअसल, सुल्ताना ने कुछ दिन पहले ही लिखित रूप से पार्टी के आला अधिकारियों से शिकायत की थी। हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि पीडिता काफी डरी हुई है, इसलिए वह अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है।

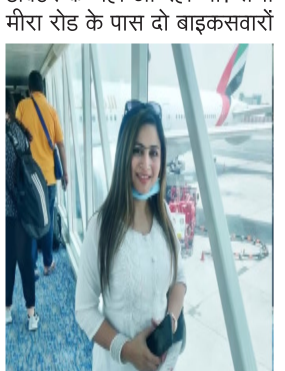

अमेरिका में फिर गोलीबारी, मॉल में लोगों पर फायरिंग

नई दिल्ली। हमलावर को एक नागरिक ने मार गिरायाइंडियाना पुलिस के अनुसार राइफल लेकर आए हमलावर ने मॉल के फूड कोर्ट में लोगों को निशाना बनाया। हमला स्थानीय समयानुसार रविवार शाम 6 बजे हुआ। अमेरिका में फिर गोलीबारी हुई। रविवार शाम के एक बंदूकधारी ने इंडियाना प्रांत के ग्रीनवुड के मॉल में अंधाधुंध गोलीबारी की। इससे चार लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। हमलावर को मॉल में मौजूद एक हथियार से लैस नागरिक ने मार गिराया। हमला स्थानीय समयानुसार रविवार शाम 6 बजे हुआ। इंडियाना पुलिस के अनुसार राइफल लेकर आए हमलावर ने मॉल के फूड कोर्ट में लोगों को निशाना बनाया। इससे पहले की वह और ज्यादा लोगों की हत्या करता, वहां मौजूद एक नागरिक ने उसे गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया। ग्रीनवुड के मेयर मार्क डब्लूयू मेयर्स ने चार मृतकों में हमलावर भी शामिल है। सशस्त्र नागरिक ने दिखाई चतुराई ग्रीनवुड के पुलिस प्रमुख जिम इसॉन ने बताया कि कुल चार लोग मारे गए हैं। पुलिस के अनुसार कंट्रोल रूम को शाम छ बजे गोलीबारी की सूचना मिली। गोलीबारी तब थमी, जब एक सशस्त्र नागरिक ने हमलावर को मार गिराया। इसॉन ने कहा कि जब हमलावर गोलीबारी कर रहा था, तभी एक नागरिक ने चतुराई दिखाई और उसे गोली मार दी। बाइडन कानून में बदलाव के पक्ष में अमेरिका में लगातार होने वाली गोलीबारी में निदोष नागरिकों की हत्या की बढ़ती घटनाओं पर राष्ट्रपति जो बाइडन कई बार चिंता जता चुके हैं। लचर शस्त्र कानूनों के कारण ये घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते दिनों बाइडन ने कहा था कि बच्चों और परिवारों की सुरक्षा के लिए अमेरिका को हथियारों पर प्रतिबंध लगाने या शस्त्र खरीदने की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 करने की आवश्यकता है।

कंगाल श्रीलंका में फिर आपातकाल, राष्ट्रपति चुनाव से पहले विक्रमसिंघे का बड़ा कदम

नई दिल्ली। आदेश में कहा गया है कि आर्थिक संकट को देखते हुए कानून व्यवस्था व आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति के लिए 18 जुलाई से आपातकाल लगाया जा रहा है। भयावह आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में आज से फिर आपातकाल लगा दिया गया है। कार्यवाहक राष्ट्रपति रॉनिल विक्रमसिंघे ने यह आदेश दिया। श्रीलंका में 20 जुलाई को राष्ट्रपति पद का चुनाव होने वाला है। इससे पूर्व सोमवार को तत्काल प्रभाव से देश में आपातकाल की घोषणा की गई। 225 सदस्यीय संसद के 20 जुलाई को नए राष्ट्रपति का चुनाव करने की उम्मीद है। आदेश में कहा गया है कि आर्थिक संकट को देखते हुए कानून व्यवस्था व आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति के लिए 18 जुलाई से आपातकाल लगाया जा रहा है। इससे पहले 13 जुलाई को तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के खिलाफ भारी बवाल व जनाक्रोश भड़कने पर श्रीलंका में आपातकाल लगाया गया था। राजपक्षे के देश से भागने के बाद विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। इसके बाद आपातकाल हटा दिया गया था, लेकिन अब एक सप्ताह में दूसरी बार आपातकाल लगाना पड़ा है। श्रीलंका में राष्ट्रपति को सार्वजनिक सुरक्षा अध्यादेश के भाग 2 में आपातकालीन नियम लागू करने का अधिकार है। इसके अनुसार यदि राष्ट्रपति की राय है कि पुलिस किसी स्थिति से निपटने में असक्षम है तो वे आपातकाल लागू कर सेना को तैनात करने का आदेश दे सकते हैं। इसका मतलब यह है कि सुरक्षा बलों को हथियारों और विस्फोटकों की तलाशी लेने, संदिग्धों को गिरफ्तार करने, खदेड़ने और परिसरों या व्यक्तियों की तलाशी लेने का अधिकार है। श्रीलंका में पिछले करीब छह माह से ज्यादा समय से आर्थिक हालात बेकाबू हो गए हैं। देश में आवश्यक वस्तुओं व ईंधन की भारी किल्लत हो गई है। जनता पूर्ववर्ती राजपक्षे सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर कई बार सड़क पर उतर चुकी है। पिछले सप्ताह उग्र प्रदर्शनकारियों ने राजधानी कोलंबे में राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया भूमिगत हो गए थे। दो दिन तक अज्ञातवास में रहने के बाद वह रातोंरात देश से भाग निकले थे। पहले वे मालदीव गए और वहां से सिंगापुर पहुंचे। आपातकाल का लंबा इतिहास श्रीलंका में आपातकाल या इमर्जेंसी का लंबा इतिहास है। 1948 में अंग्रेजों से आजादी के बाद और उससे पहले भी कई बार देश आपातकाल भोग चुका है। आजादी के बाद सबसे पहले 1958 में देश में आपातकाल लगाया गया था तब सिंहली भाषा को एकमात्र भाषा के रूप में अपनाने के विरोध में हालात बिगड़ने पर आपातकाल लगा था। लिट्टे आंदोलन के कारण 28 साल रहा आपातकाल श्रीलंका ने सबसे लंबा आपातकाल 1983 से 2011 तक रहा। श्रीलंकाई तमिलों व सिंहलियों के बीच उग्र व हिंसक आंदोलन के कारण करीब 28 साल तक आपातकाल लगा रहा। तमिल समूह लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी लिट्टे श्रीलंका में अलग तमिल राज्य की मांग कर रहा था।

संपूर्ण समाधान दिवस 258 प्रार्थना पत्र आया जिसमें एक भी प्रार्थना पत्रों का निस्तारण नहीं किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
. राकेश मिश्रा

प्रयागराज। बारा में राजस्व कर्मियों की मनमानी से फरियादी हो रहे परेशान एक ही तरह की शिकायत बार बार आती है शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता एडीएम प्रशासन हर्ष देव पांडे ने की इस मौके पर सबसे अधिक मामला 145 राजस्व विभाग से संबंधित रहे सरकारी भूमि वन विभाग तालाब गांव सभा की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला छाया समाधान दिवस में कल्याणपुर से राजित आदिवासी के साथ सैकड़ों महिलाओं ने तहसील सभागार में धरने पर बैठ गई उन लोगों का कहना है कि आवास आया हुआ है लेकिन दबंग लोगों की वजह से हम लोगों को नहीं बनवाने दिया जा रहा है वही खाद्यन्न विभाग से जुड़े एक ऐसा मामला आया हुआ था श्रीनगर अकोरीय से उमेश कुमार हरिजन के द्वारा बताया गया कि हम दोनों आंख से अंधे है कई बार समाधान दिवस में खाद्यान्न विभाग को लेकर प्रार्थना पत्र दिए हैं लेकिन आज तक हम खाद्यान्न नहीं दिया जाता कुछ ऐसे ही प्रार्थना पत्र पिपरावं गांव से विद्युत विभाग को लेकर आया हुआ था कई महीनों से ट्रांसफॉर्मर बदलने का विभागीय अधिकारी दे रहे हैं आश्वासन शिकायत करने के बावजूद भी नहीं बदला जा रहा है ट्रांसफार्मर समाधान दिवस में उपस्थित रहे तहसीलदार बारा गणेश सिंह क्षेत्राधिकारी संतलाल सरोज नायब तहसीलदार रवि कांत द्विवेदी सीएससी जसरा तरुण पाठक कई थानों की फोर्स मौजूद।

अटाला बवाल के मास्टर माइंड जावेद पंप पर लगा रासुका

प्रयागराज। जेके आशियाना निवासी जावेद मोहम्मद को पुलिस ने अटाला बवाल के कुछ घंटों बाद ही गिरफ्तार कर लिया था। बाद में खुलासा किया था कि वह इस पूरे मामले का मास्टर माइंड है और उसने ही हिंसा भड़काने के लिए साजिश रची। अटाला में बीते 10 जून को हुए बवाल के मास्टर माइंड जावेद मोहम्मद उर्फ जावेद पंप पर एक और बड़ी कार्रवाई हुई है। पुलिस ने उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाया है। इस संबंध में जिला पुलिस की रिपोर्ट का संज्ञान लेकर डीएम की ओर से कार्रवाई की गई, जिसके संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। जावेद पिछले 36 दिनों से जेल में है। वारदात के बाद उसे पहले नैनी जेल भेजा गया और दो दिन बाद ही स्थानांतरण करते हुए उसे देवरिया जेल भेज दिया गया था। जेके आशियाना निवासी जावेद मोहम्मद को पुलिस ने अटाला बवाल के कुछ घंटों बाद ही गिरफ्तार कर लिया था। बाद में खुलासा किया था कि वह इस पूरे मामले का मास्टर माइंड है और उसने ही हिंसा भड़काने के लिए साजिश रची। गिरफ्तार करने के दो दिन बाद ही उसे नैनी से देवरिया जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। इसके बाद पुलिस की ओर से उसके खिलाफ रासुका की कार्रवाई की संस्तुति करते हुए उच्चाधिकारियों के माध्यम से रिपोर्ट डीएम को भेजी गई थी। पुलिस की ओर से भेजी गई रिपोर्ट के विस्तृत अध्ययन के बाद डीएम की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया। डीएम संजय कुमार खत्री ने बताया कि जिला पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। जावेद पर रासुका लगाया गया है। देवरिया जेल में भी भेजा गया आदेश जावेद पंप पर रासुका लगाने का आदेश जारी होने क साथ ही इसका तामीला देवरिया जेल में भी करा दिया गया है। जिला पुलिस की एक टीम ने शनिवार को देवरिया जेल पहुंचकर जेल प्रशासन को आदेश तामील करा दिया है। खुल्दाबाद व करेली में दर्ज हैं तीन मुकदमे जावेद पंप अटाला बवाल मामले में खुल्दाबाद व करेली थाने में दर्ज तीन मुकदमों में जेल में निरुद्ध है। खुल्दाबाद मामले में वह नामजद आरोपी था जबकि करेली के दो मामलों में विवेचना के दौरान उसका नाम प्रकाश में आया। इसके बाद इन दोनों मामलो में भी पुलिस ने उसका रिमांड बनवाया और वारंट जेल में तामीला कराया। 12 जून को प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने जेके आशियाना कॉलोनी स्थित उसका घर बुलडोजर चलवाकर जमींदोज करा दिया था।

खण्ड शिक्षा अधिकारी को निर्देश,जर्जर भवनों में कक्षायें कदापि न संचालित की जायं

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कल सायंकाल विकास भवन के सभागार में जनपद स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि सभी विकास खण्डों में पुराने/जर्जर भवनों को चिह्नित कर नीलामी की कार्यवाही करायी जा रही है। जिलाधिकारी ने विकास खण्डवार जर्जर भवनों एवं उनके नीलामी की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने अब तक जर्जर भवनों की नीलामी एवं ध्वस्तीकरण न कराये जाने पर नाराजगी व्यक्त की और सचेत किया कि प्राथमिक विद्यालय के किसी भी जर्जर भवन में कक्षायें कदापि न संचालित की जायं उन्होंने कहा कि यदि इसका उलंघन किया जाता है और कोई दुर्घटना होती है ऐसी स्थिति में सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।विद्यालयों के विद्युतीकरण, कायाकल्प योजना के अन्तर्गत विद्यालयों में शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बाउण्ड्रीवाल, रंगाई पुताई, सफाई आदि बिन्दुओं की समीक्षा की गयी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि राइट टू एजुकेशन एक्ट के तहत वर्ष 2021-22 में 372 बच्चों एडमिशन विद्यालयों में कराया गया था एवं वर्ष 2022-23 में 327 बच्चों का एडमिशन कराया गया है। इस वित्तीय वर्ष में कम संख्या में नामांकन कराये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिया कि जनपद के सरकारी एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों की जियो मैपिंग अनिवार्य रूप से करायी जाये ताकि इस एक्ट के अन्तर्गत बच्चों का अनिवार्य रूप से विद्यालयों में नामांकन कराया जा सके और कोई भी बच्चा विद्यालय जाने से वंचित न रहे। स्कूल चलो अभियान की समीक्षा के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में शासन द्वारा लक्ष्य 52000 आवंटित किया गया है जिसके सापेक्ष 68000 नये बच्चों का नामांकन कराया गया है। शिक्षा की गुणवत्ता एवं बेहतर पर्यवेक्षण हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि 95 अधिकारियों को विद्यालय आवंटित कर दिये गये है उनके द्वारा गोद लिये विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित कराना है। निरीक्षण की रिपोर्ट आनलाइन प्रेरणा एप पर अपलोड की जानी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि गोद लिये जाने वाले सभी अधिकारियों से समन्वय बनाकर प्रतिमाह रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया कि गोद लिये हुये गांव में जाकर प्राथमिक विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता के उनन्यन में अपना सहयोग करें। मिड-डे-मील की समीक्षा के अन्तर्गत विद्यालयों में बन रहे भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी नोडल अधिकारी न्यूनतम 5 विद्यालयों में निरीक्षण करें तथा अपनी निरीक्षण टिप्पणी आनलाइन एप पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास के संचालन एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्रों की संख्या, शैक्षिक गुणवत्ता, परिसर की सुरक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने जिला समन्वयक बालिका शिक्षा को निर्देशित किया कि कस्तूरबा गांधी विद्यालय में नामांकन होने वाले सभी बच्चां की आधार फीडिंग अनिवार्य रूप से करायी जाये तथा कक्षाओं का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही समेकित शिक्षा के अन्तर्गत बच्चों के चिन्हांकन एवं उन्हें विद्यालयों में नामांकित किये जाने पर जोर दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के शैक्षिक उन्नयन एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु चलाये गये निपुण लक्ष्य अभियान की जानकारी दी तथा जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को निपुण लक्ष्य का प्रतीक भेंट किया गया।

महाधिवक्ता कार्यालय में लगी आग की आंच राजधानी तक पहुंची

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सीएम योगी ने दिए जांच के आदेशइलाहाबाद हाईकोर्ट के सामने स्थित उत्तर प्रदेश महाधिवक्ता कार्यालय की नौ मंजिला भवन में लगी आग की आंच राजधानी तक पहुंच गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मामले की जांच का आदेश जारी कर दिया है। इसके लिए पांच सदस्यीय कमेटी का भी गठन किया गया है। यह कमेटी शीघ्र ही आग लगने के कारणों का पता लगाकर रिपोर्ट कर रिपोर्ट प्रेषित की जाए। ताकि जिम्मेदारी निर्धारित कर दोषियों पर कार्रवाई की जा सके।इलाहाबाद हाईकोर्ट के सामने स्थित उप्र के महाधिवक्ता कार्यालय में रविवार को भीषण आग लग गई। अनुमान है कि इसमें वहां रखीं लगभग एक लाख फाइलें राख हो गईं। इन फाइलों में हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों से संबंधित दस्तावेज थे। सुबह लगभग 5.30 बजे लगी आग पर शाम साढ़े सात बजे पूरी तरह काबू पाया जा सका। राहत कार्य के

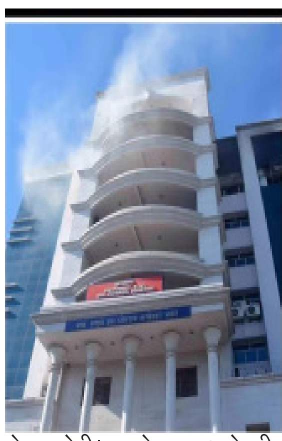

पेश करेगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आग लगने से एक लाख से अधिक फाइलें जलकर राख हो गई हैं। भवन और फर्नीचरों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। नौ मंजिले इस बिल्डिंग के चार तल पूरी तरह से तहस-नहस हो गए हैं। इस प्रकरण को बेहद गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच सदस्यीय कमेटी गठित कर जांच के आदेश दे दिए हैं। इसमें एसपी सिटी, एडीएम सिटी, मुख्य अगिन्शमन अधिकारी, एडिशनल एलआर प्रयागराज व उपनिदेशक विद्युत सुरक्षा को शामिल किया गया है। कमेटी को निर्देशित किया गया है कि डीएम व एसएसपी के मार्गदर्शन में आग लगने के कारणों की जांच दौरान छह दमकल कर्मी भी जख्मी हुए। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। अनुमान है कि शार्ट सर्किट से हादसा हुआ।सिविल लाइंस में हाईकोर्ट के ठीक सामने स्थित नौ मंजिला डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन में महाधिवक्ता, उप्र का कार्यालय है। सुबह 5.30 बजे के करीब हाईकोर्ट के पास से गुजर रहे राहगीर दीपक दुबे ने इमारत से धुआं निकलते देखा तो गार्ड को जानकारी दी। गार्ड ने कार्यालय के एक कर्मचारी के साथ ही 100 नंबर पर सूचना दी, जिस पर फायर ब्रिगेड पहुंच गई। फायरकर्मी भीतर पहुंचे तो पता चला कि आग छठवें तल पर लगी है। उन्होंने वहां जाने की कोशिश की, लेकिन धुएं के चलते आगे नहीं बढ़ सके। उधर, आग फैलती ही जा रही थी और कुछ ही देर में पांचवें तल पर रखी फाइलें इसकी चपेट में आ गईं, जिससे लपटें उठने लगीं। फायरकमिर्यों ने पानी की बौछार से आग बुझानी चाही, लेकिन इमारत की ऊंचाई ज्यादा होने के चलते नाकाम रहे। देखते ही देखतेआग सातवें, आठवें और नवें तल तक फैल गई। इसके बाद फायरब्रिगेड के साथ ही थलसेना, वायुसेना व एनटीपीसी के भी फायर टेंडर बुलाए गए। जिनमें से प्रत्येक को दर्जनों राउंड लगाने पड़े। कड़ी मशक्कत के बाद शाम 7.30 बजे के करीब आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। लेकिन तब तक यहां रखी लगभग एक लाख फाइलें जलकर राख हो गईं थीं। मौके पर डीजी फायर सर्विस अविनाश चंद्रा, एडीजी प्रेमप्रकाश, आईजी डॉ. राकेश सिंह समेत तमाम अफसर मौजूद रहे। महाधिवक्ता कार्यालय में लगी आग में कई महत्वपूर्ण सेक्शनों की फाइलें जल गईं। इनमें कंटेम्प्ट, बेल, क्रिमिनल अपील, क्रिमिनल रिवीजन और सिविल सेक्शन शामिल हैं। दरअसल नीचे की पांच मंजिलों तक कार्यालय व अधिवक्ताओं के चैंबर हैं। इसके बाद छठे से आठवें तल को बतौर रिकॉड रूम इस्तेमाल किया जाता है। नौवें तल के एक हिस्से में कॉन्फ्रेंस रूम के साथ ही अन्य स्थान पर भी कुछ फाइलें रखी गईं थीं। घटों लपटों से घिरी रहने के चलते महाधिवक्ता कार्यालय की बिल्डिंग को भी काफी नुकसान पहुंचा है। हाल यह रहा कि छठे से लेकर नौवीं मंजिल तक की छतें कई जगहों से चिटक गईं। साथ ही दीवारों पर भी दरारें पड़ गईं। यहां रखा लाखों रुपये का फर्नीचर भी जलकर राख हो गया। हाल यह रहा कि आग बुझाए जाने के बाद भी दीवारें धधकती रहीं। कहा जा रहा है कि हादसे में करोड़ों का नुकसान हुआ है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की बैठक सम्पन्न, सी0एम0ओ0ने कृमि संक्रमण से बचने का बताया उपाय

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कल सायांकल कलेक्ट्रेट के सभागार में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफल संचालन हेतु अर्न्तविभागीय समन्वय समिति की बैठक की गयी। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी ने इस रोग के संक्रमण एवं रोकथाम के उपाय की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का प्रथम चरण दिनांक 20 जुलाई को आयोजित किया जायेगा एवं छूटे हुये बच्चों को आच्छादित करने के लिये दिनांक 25 से 27 जुलाई के मध्य मॉकअप चरण आयोजित किया जायेगा। सीएमओ ने बताया कि गम्भीर कृमि संक्रमण से कई लक्षण उत्पन्न हो सकते है जैसे दस्त, पेट में दर्द, कमजोरी, उल्टी और भूख न लगना। बच्चे में कीड़े की मात्रा जितनी अधिक होगी, संक्रमित व्यक्ति के लक्षण उतने ही अधिक होगें। हल्के संक्रमण वाले बच्चों में आमतौर पर कोई लक्षण नही दिखते है। कृमि संक्रमण का इलाज सुरक्षित और लाभकारी एल्बेंडाजोल टैबलेट का उपयोग करके किया जा सकता है। उन्होने बताया है कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अन्तर्गत स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्र में अध्यापक/आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से 1 से 19 वर्ष तक के बच्चे और किशोर/किशोरियों को एल्बेंडाजोल टेबलेट खिलाई जायेगी। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों एवं आँगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों की सूची प्राप्त करके संख्यावार दवाइयों उपलबध करायी जाये। उन्होने कहा कि बच्चों को दवा कैसे खिलानी है इसकी जानकारी भी प्रशिक्षण में कर्मचारियों दी जाये। यदि किसी बच्चे की दवा के खाने के बाद तबियत खराब होती है 108 एम्बुलेन्स या सीएचसी/पीएचसी से तुरन्त सम्पर्क करें। जिलाधिकारी ने कहा कि दवा वितरण करने वाले सभी कर्मचारियों को गम्भीरतापूर्वक प्रशिक्षण दिया जाये। आशा/आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यक्षेत्र में घर-घर जाकर लक्षित बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोलियाँ खिलायेंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षक, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता आगामी कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के समुदाय आधारित तरीके के बारे में बच्चों, माता-पिता या अभिभावक को बतायें। जो बच्चे बीमारी या फिर अनुपस्थिति के कारण छूट गये हो, उन्हें मॉक-अप दिवस पर दवाई सेवन सुनिश्चित करायें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 गिरेन्द्र मोहन शुक्ल, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी पवन यादव, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

तिरंगा कार्यक्रम में बनी योजना हर दर तिरंगा,हर घर तिरंगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने विकास भवन के सभागार में दिनांक 11 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला स्तरीय अधिकारियों को झण्डा वितरण हेतु लक्ष्य आवंटित कर दिया गया है। सभी सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों तथा निजी भवनों में 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान झण्डा फहराया जाना है। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों तथा स्वयं सेवी संगठनों से अनुरोध किया कि आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर अमृत महोत्सव के रूप में हर घर झण्डा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत 11 से 17 अगस्त तक सभी सरकारी, गैर सरकारी एवं निजी आवासों पर झण्डा फहराया जाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय नायकों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करते हुये राष्ट्र प्रेम एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत किया जाना है। इस दौरान विभिन्न तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विद्यालयों में झण्डागान का आयोजन, निबन्ध, पेन्टिंग आदि से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण किया जाना है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर विभाग आवंटित लक्ष्य के अनुरूप एक कायर्योजना बनाकर जिला पंचायत राज अधिकारी को प्रस्तुत करें तथा यह सुनिश्चित करें कि उनके सम्पर्क में आने वाले किसान, व्यापारी, उद्यमी, छात्र, नौजवान, मजदूर, सभी वर्गो में यह सन्देश प्रचारित हो सके जिससे समाज के हर वर्ग के व्यक्ति अपने घरों में तिरंगे का ध्वजारोहण करें। जिलाधिकारी ने यह भी सचेत किया कि झण्डारोहण के समय यह सुनिश्चित किया जाये कि झण्डा संहिता के अनुरूप ही राष्ट्र ध्वज का झण्डारोहण किया जाये, किसी भी दशा में झण्डा संहिता के अन्तर्गत उल्लिखित नियमों का उलंघन न किया जाय। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये आन्तरिक कायर्योजना बना ली जाये ताकि पूरे जनपद में 11 से 17 अगस्त तक चलने वाले हर घर झण्डा कार्यक्रम का सफल बनाया जाये। बैठक में बताया गया कि विभागवार झण्डा वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिनमें बेसिक शिक्षा अधिकारी,जिला पूर्ति अधिकारी एवं उपायुक्त एन0आर0 एल0 एम0 को 50-50 हजार, जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं पुलिस विभाग को 30-30 हजार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायतें एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को 20-20 हजार, जिला विद्यालय निरीक्षक को 15 हजार, जिला युवा कल्याण अधिकारी एवं ए0आर0 कोआपरेटिव को 10-10 हजार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी, उप सम्भागीय अधिकारी परिवहन विभाग, समस्त उपजिलाधिकारी, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं समस्त खण्ड अधिकारी को 5-5 हजार का लक्ष्य, जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी, महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र एवं जिला समन्वयक नेहरू युवा केन्द्र को 1-1 हजार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

लालगंज सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई 272 शिकायतें,07का हुआ मौके पर निस्तारण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण हो सके इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में तहसील लालगंज में आयोजित किया गया। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतें पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल एवं विकास से सम्बन्धित शिकायतें मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया द्वारा सुनी गयी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में क्रमबद्ध तरीके से फरियादियों की शिकायतों को सुना गया एवं शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। लालगंज तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 272 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 07 शिकायतें इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 272 शिकायतों में से 135 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 85, विकास विभाग से 05, समाज कल्याण से 15, शिक्षा विभाग से 02 एवं 30 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुना जाये और समय सीमा के अन्तर्गत उनका निस्तारण भी सुनिश्चित किया जाये ताकि फरियादियों को इधर-उधर अपनी समस्याओं को लेकर भटकना न पड़े। उन्होने निर्देशित करते हुये कहा कि समाधान दिवस में आई जमीनी विवादों की शिकायतों को सूचीबद्ध किया जाये तथा राजस्व और पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के उन शिकायतों का समयावधि के अन्दर उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने उपस्थित अधिकारियां से कहा कि वह अपने अधीनस्थों पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता को देखें। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही को बहुत ही गम्भीरता के साथ लिया जायेगा, इसलिये सभी अधिकारीगण शासन की मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित गति से किया जाये। उन्होने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकारी भूमि एवं तालाबों पर जो भी अवैध कब्जे किये गये है उनको राजस्व अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर मुक्त करायें। उन्होने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस शासन की प्राथमिकता का कार्यक्रम है इसलिये सभी अधिकारीगण अपने-अपने दायित्वों को समझे और उसका शत् प्रतिशत निर्वहन करें जिससे आमजन मानस की समस्याओं का निराकरण किया जा सके। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी लालगंज सौम्य मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 गिरेन्द्र मोहन शुक्ल सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शोभन योग में सावन का पहला सोमवार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। बम बम हुई संगमनगरीशिव मंदिरों में सावन के प्रथम जलाभिषेक की तैयारियों को रविवार को दिन भर अंतिम रूप दिया जाता रहा। यमुना तट स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में पुरुष और महिला भक्तों के दर्शन के लिए

अलग-अलग बैरिकेडिंग कराई गई उशोभन योग में सावन का पहला सोमवार सावन के प्रथम सोमवार पर इस बार सौभाग्य की वर्षा के योग बन रहे है। पहला सोमवार पूर्वाभद्रपद नक्षत्र और शोभन योग में लग रहा है। यह नक्षत्र सौभाग्य और खुशहाली लेकर आएगा। शोभन योग शिवभक्तों की कामना की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त करेगा। ज्योतिषियों के अनुसार पूर्वाभद्रपद नक्षत्र और शोभन योग में भगवान भोलेनाथ की आराधना ब्याधियों को दूर करने के साथ ही खुशहाली प्रदान करेगी। शिव मंदिरों में सावन के प्रथम जलाभिषेक की तैयारियों को रविवार को दिन भर अंतिम रूप दिया जाता रहा। यमुना तट स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में पुरुष और महिला भक्तों के दर्शन के लिए अलग-अलग बैरिकेडिंग कराई गई। साथ ही अफसरों ने तैयारियों का जायजा भी लिया। मनकामेश्वर में सोमवार की भोर चार बजे मंगला आरती के साथ ही आम भक्तों के लिए पट खोल दिए जाएंगे। दिन के 11:45 बजे भोग आरती होगी। इस दौरान सिर्फ 15 मिनट के लिए गर्भगृह में दर्शन रोका जाएगा। इसके बाद दोपहर 12 से रात 12 बजे तक श्रद्धालु बाबा का जलाभिषेक कर सकेंगे। रात 10 बजे आरती होगी। महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि प्रथम सोमवार को मनकामेश्वर महादेव का रजत श्रृंगार होगा। इसमें चांदी के मुखौटे, नाग के अलावा मोगरा, गुलाब, रजनीगंधा, बेला के फूलों से बाबा की झांकी सजाई जाएगी इससे पहले मंदिर को भव्य सजा दिया गया है। उधर, अरैल स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर में भी भक्तों की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग कराई गई। पुजारी सोनू पुरी ने बताया कि सोमवार की रात 10 बजे सोमेश्वर महादेव की श्रृंगार झांकी सजाई जाएगी। भोर में पांच बजे से ही दर्शन-पूजन आरंभ हो जाएगा। बालसन चौराहा स्थित भरद्वाजेश्वर महादेव मंदिर में भी सावन के जलाभिषेक की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। वहां भी सुबह छह बजे से जलाभिषेक आरंभ होगा। सावन सोमवार के मद्देनदर तक्षक तीर्थ और दारागंज स्थित नागवासुकि में भी जलाभिषेक और दर्शन-पूजन की तैयारियां पूरी कर ली गईं। इन मंदिरों में भी भोर से ही भक्तों की भीड़ लग जाएगी अफसरों ने सावन के सोमवार की तैयारियों का लिया जायजा रविवार को एडीएम सिटी मदन कुमार और एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह ने शिव मंदिरों में सावन सोमवार की तैयारियों का जायजा लिया।

ग्राम प्रधान,पंचायत सदस्यों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों के उप निर्वाचन 04अगस्त को होंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0) डा0 नितिन बंसल ने जनपद प्रतापगढ़ के समस्त ग्राम पंचायतों के प्रधानों एवं उनके सदस्यों तथा समस्त क्षेत्र पंचायतों के सदस्यों के रिक्त स्थानों/पदों के उप निर्वाचन हेतु समय-सारिणी निर्गत करी दी है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में 03 ग्राम प्रधानों के पद रिक्त है जिनमें मंगरौरा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बारीकला, लक्ष्मणपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत देवली तथा कुण्डा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जमेठी है। इसके अतिरिक्त जनपद में 55 सदस्यों के रिक्त पद है। इसके अलावा 06 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के रिक्त पद है जिनमें वार्ड खरगपुर, कटवड़, रेवली, मुस्तफाबाद द्वितीय, कसेरूआ प्रथम व हरपुरसौध है। उन्होने बताया है कि ग्राम पंचायत के प्रधानों एवं उनके सदस्यों तथा क्षेत्र पंचायत सदस्यों का नाम निर्देशन पत्रों को 20 जुलाई तक पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक जमा किया जायेगा। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा दिनांक 21 जुलाई को पूर्वान्ह 10 बजे से कार्य की समाप्ति की जायेगी। उम्मीदवारी वापसी दिनांक 22 जुलाई को पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक व प्रतीक आवंटन अपरान्ह 3 बजे से कार्य की समाप्ति किया जायेगा। मतदान दिनांक 04 अगस्त को प्रातः 7 बजे से अपरान्ह 5 बजे तक एवं मतगणना दिनांक 05 अगस्त को प्रातः 8 बजे से कार्य की समाप्ति की जायेगी। उन्होने बताया है कि उप निर्वाचन हेतु नामांकन पत्र दाखिल करने, इनकी जांच करने व उम्मीदवारी वापस लेने, चुनाव चिन्ह आवंटन तथा मतगणना का कार्य सम्बन्धित क्षेत्र पंचायत मुख्यालय पर होगा। परिणाम की घोषणा भी सम्बान्धित क्षेत्र पंचायत मुख्यालय पर की जायेगी।

सावन के पहले सोमवार पर काशीपुराधिपति की नगरी बम बम, पहली बार गंगद्वार से बाबा दरबार पहुंच रहे श्रद्धालु

वाराणसी । सावन के पहले सोमवार को गंगधार से बाबा दरबार एकाकार नजर आ रहा है। जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है। आस्था की डगर पर समर्पण और विश्वास लेकर भक्तों का कारवां बाबा की नगरी में हर तरफ से निकला। दसावन के पहले सोमवार पर काशी पुराधिपति की नगरी हर-

हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गुंजायमान है। हर-हर, बम-बम के बोल संग गूंजती कांवडियों की बोली के साथ आस्थावानों की टोली लगातार आगे बढ़ रही है। कोरोना के कारण दो साल बाद सावन की रौनक लौटी है। श्रद्धा, आस्था और उमंग की हिलोरें के साथ भक्तिभाव से श्रद्धालु आदि विश्वेश्वर का जलाभिषेक कर रहे हैं। सावन में पहली बार शिवभक्त गंगद्वार से गंगाजल लेकर बाबा विश्वनाथ के धाम पहुंच रहे हैं। तेज धूप के बीच ललिता घाट पर लंबी कतार लगी है। इसके अलावा कैंथी मार्कंडय मंदिर, सारनाथ स्थित सारंगदेव महादेव, गौरी केदारेश्वर, महामृत्युंजय, जागेश्वर महादेव, शूल टंकेश्वर, तिल भांडेश्वर, बैजनत्था मंदिर, रामकुंड स्थित रामेश्वर महादेव समेत अन्य शिवालयों में भक्तों का सैलाब उमड़ा है। हर तरफ बोल बम और हर हर महादेव के गगनभेदी जयकारे गूंज रहे हैं। रविवार शाम से ही बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के लिए कतारें लगना शुरू हो गई थी। सभी शिवभक्त मंगला आरती की प्रतीक्षा कर रहे थे, जिससे उनके लिए काशी विश्वनाथ मंदिर के कपाट खुलें और जिलाभिषेक कर दर्शन करें। मंगला आरती होते ही दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हुआ जो अनवरत जारी है। बीते 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ धाम का उद्घाटन किया था और उसके बाद यह पहला सावन है जब देश भर से कांवडिए बाबा के धाम जलाभिषेक के लिए आ रहे हैं। श्रद्धालुओं के लिए कराई गई बैरिकेडिंग में रेड कार्पेट बिछाया गया है। चितरंजन पार्क में कांवडियों के लिए शिविर की शुरुआत भी हो गई है। कांवड़ियों की कतार गेट नंबर एक ढुंढिराज गणेश से होते हुए बांसफाटक से आगे गोदौलिया तक लगी है। मंदिर प्रशासन के अनुसार सावन के पहले सोमवार पर छह लाख से अधिक शिवभक्तों के आने की संभावना है। घर से आधे घंटे पहले निकलें, रूट डायवर्जन जरूर देखें सावन के पहले सोमवार पर शहर में कांवड़ियों के आगमन को देखते हुए डायवर्जन है। घर से निकलने से पहले रूट डायवर्जन जरूर देखें। बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ धाम को जोड़ने वाले मार्गों को नो व्हीकल जोन किया गया है। एडीसीपी ट्रैफिक डीके पुरी के अनुसार मैदागिन-गौदोलिया-सोनारपुरा चौराहा, गुरुबाग-रामापुरा-बेनिया तिराहा, रवींद्रपुरी स्थित ब्राडवे होटल तिराहा-सोनारपुरा-गोदौलिया और भेलूपुर चौराहा से रामापुरा चौराहा तक नो व्हीकल जोन रहेगा। मंगलवार की सुबह आठ बजे तक इन रूटों पर किसी भी प्रकार के वाहनों की आवाजाही नहीं होगी। सिर्फ पैदल ही लोग आवाजाही कर सकेंगे। मार्कंडेय महादेव धाम में जलाभिषेक को देखते हुए कैथी तिराहे पर धाम से तीन किलोमीटर दूर बैरिकेडिंग करते हुए रविवार शाम से ही सभी वाहनों को रोक दिया गया।

बनारस में ओमप्रकाश राजभर बोले- सपा से गठबंधन टूटा तो बसपा से जोड़ेंगे नाता

वाराणसी । वाराणसी के सारनाथ में सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने आजमगढ़ उपचुनाव में मिली हार के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव

को जिम्मेदार ठहराया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी से गठबंधन टूटा तो बसपा से नाता जोड़ेंगे। बसपा प्रदेश की तीसरी बड़ी पार्टी है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला किया गया है। रविवार को सारनाथ में आयोजित कार्यकर्ताओं की बैठक में सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की भाजपा के प्रति आग उगलने वाले ओपी राजभर के तेवर बदले नजर आए, कहा भाजपा जमीनी स्तर पर काम करती है। सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि एसी में बैठकर जमीनी स्तर की राजनीति का मुकाबला नहीं किया जा सकता। आजमगढ़ उपचुनाव में मिली हार के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि चुनाव की तैयारियों की दृष्टि से सुभासपा अध्यक्ष ने चार भाग बुंदेलखंड, पश्चिमांचल, मध्यांचल, पूर्वांचल बांट पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी जा रही है। कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में बूथ स्तर पर काम करेंगे। उनकी पार्टी जातिवाद, परिवारवाद का विरोध करती है। जातिवाद जनगणना कराने की मांग को लेकर पार्टी सड़क पर उतरकर संघर्ष करेगी। कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सुभासपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से फीड बैक लिया। कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ हैं। बूथ लेवल पर संपर्क अभियान चलाने को कहा। इस बैठक में बेदी राम, सालिक यादव, डॉ. बलिराम राजभर, नित्यानंद पांडेय सहित जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली ,व वाराणसी के पदाधिकारी शामिल थे।

जलस्तर बढ़ने ने घाघरा में शुरू हुई कटान

लाटघाट। जिले में बरसात भले ही अभी नहीं शुरू हुई है। दो-तीन दिन मानसूनी बरसात रंग दिखाने के बाद शांत हो गया है। लेकिन देवरांचल में घाघरा उफान पर आने लगी है। जलस्तर से बढ़ोत्तरी से जगह-जगह कटान शुरू हो गई है। दर्जन भर किसानों की कृषि योग्य भूमि घाघरा की जलधारा में समाहित हो गई है। जनपद का देवारा क्षेत्र हर साल बाढ़ की चपेट में आता है। अभी बरसात तो हुई नहीं है लेकिन प्रदेश के अन्य जनपदों में हो रही बरसात के चलते घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। जलस्तर अभी गेज तक तो नहीं पहुंच है लेकिन बढ़ोत्तरी के चलते कटान की शुरूआत हो गई है। अभी बाढ़ वाली स्थिति नहीं देखने को मिल रही है। फिर भी कटान के चलते परसिया गांव के दर्जन भर किसानों की कृषि योग्य भूमि घाघरा की जलधारा में समाहित हो गई है। खेती योग्य जमीन के कट जाने से किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है। एक तरफ जहां सूखा परेशान किया है तो वहीं कटान ने किसानों की कमर तोड़ना शुरू कर दिया है। गंगेपुर परसिया गांव के संपत, कांता, सरवन, राजेश, हरिंदर, धर्मेंद्र, हरिराम, केदार, दूधनाथ, प्रमोद, संपत, रामज्ञान, बृजलाल, अच्छेलाल, किशोर आदि की जमीन घाघरा में विलीन हो गई है।

रामनगर में पति ने पत्नी की ईंट से सिर कूंचकर की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

वाराणसी । वाराणसी के रामनगर थाना अंतर्गत गंगाधर पुरम कॉलोनी में एक महिला की सिर कूंचकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने महिला के पति को हिरासत में ले लिया है। वाराणसी के रामनगर थाना अंतर्गत गंगाधर पुरम कॉलोनी निवासी और पेशे से ऑटो चालक ने पुलिस को सूचना दी कि उसकी पतनी की मौत हो गई है। मौके पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने छानबीन की और खून से सना नौकरी करता है। रविवार सुबह विष्णु तिवारी थाने पहुंचा और बताया कि पतनी की मौत हो गई है। इसके बाद जब पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची तो कमरे का नजारा देख आशंका हुई। कमरे से खून से सना ईंट और अन्य सामान बरामद हुआ। पुलिस ने पड़ोसियों और पति विष्णु से पूछताछ की तो पता चला कि दोनों के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता था। विष्णु तिवारी ने पुलिस को बताया कि शनिवार देर शाम

ईंट बरामद किया। पुलिस ने घंटे भर में ही मामले का पर्दाफाश करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों के बीच आए दिन मारपीट होती थी। गंगाधर पुरम कॉलोनी में ऑटो चालक विष्णु प्रताप तिवारी (46) का मकान है। पिछले चार साल से मकान बनवाकर विष्णु अपनी पतनी सरिता (43) और दो बच्चों के साथ रहता है। फिलहाल एक बेटा बीएचयू हॉस्टल में रह रहा है तो वहीं दूसरा शहर से बाहर घर गया तो खून से लथपथ पतनी का शव देखा। पतनी को मरा देख बेहोश होकर गिर गया। बताया कि सुबह जब होश आया तो पुलिस के पास आया। सख्ती से पूछताछ हुई तो विष्णु तिवारी टूट गया। उसने बताया कि पतनी आए दिन झगड़ा करती थी। शनिवार रात भी झगड़ा कर रही थी। गुस्से में ईंट उसके सिर पर दे मारा। फिर सुबह पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

वाराणसी में गर्मी-उमस से राहत नहीं

वाराणसी । बारिश के इंतजार में बादलों पर नजर, 10 एमएम प्रति घंटे बढ़ रहीं गंगावाराणसी समेत आसपास के जिलों में बादलों की बेरुखी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा

दी है। सावन के महीने में भी बादल आसमान में खूब उमड़-घुमड़ रहे हैं, लेकिन बरस नहीं रहे।मानसून की दस्तक के बाद भी वाराणसी समेत आसपास के जिलों में बीते कई दिनों से सूरज की तपिश से लोगों का हाल बेहाल हैं। लोग बारिश आने का इंतजार कर रहे हैं। सोमवार सुबह से उमसभरी गर्मी के चलते लोग पसीने से तरबतर हैं। बीते कुछ दिनों में आसमान में बाद भी छाए, लेकिन बारिश न आने के कारण लोगों को मायूसी हाथ लगी जुलाई माह में ही मानसून ने दस्तक दे दी, लेकिन इसके बाद भी आमजन को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। सोमवार सुबह से ही सूरज के तेवर तल्ख है। सुबह 10 बजे तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले अन्य दिनों की तुलना में रविवार को दिन में धूप थोड़ी हल्की रही। शाम को भी हवा में नमी अधिक रही। इधर तापमान में भी उतार-चढ़ाव बना है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार बारिश के आसार बन रहे हैं। पिछले महीने मानसून की दस्तक होने के बाद से लगा कि इस बार अच्छी बारिश होगी लेकिन मानसून के सुस्त होने की वजह से ही बारिश भी नहीं हो रही थी। अब जबकि सावन महीने की शुरुआत हो गई है, ऐसे में सभी को अच्छी बारिश का इंतजार है। मौसम वैज्ञानिक एसएन पांडेय ने बताया कि मानसून की द्रोणिका एक बार फिर उत्तर की ओर आने लगी है। इस वजह से वाराणसी समेत मैदानी भाग में बारिश की संभावना है। बताया कि सोमवार से अगले तीन-चार दिन तक रुक रुक बूंदाबांदी से लेकर बारिश के भी आसार हैं। पहाड़ों पर हो रही बरसात का असर अब बनारस में नजर आने लगा है। गंगा का जलस्तर 10 मिलीमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से बढ़ना शुरू हो गया है। प्रयागराज से बनारस तक गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गाजीपुर में गंगा का जलस्तर स्थिर बना हुआ और बलिया में घटाव शुरू हो गया है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार रविवार को गंगा का जलस्तर 59.06 मीटर दर्ज किया गया। शनिवार को जलस्तर 58.82 मीटर था। गंगा में चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर है।

जौनपुर में बाइक सवार पति-पत्नी को रौंदते बेकाबू स्कॉर्पियो गड्ढे में पलटी, एक साल पहले हुई थी शादी

जौनपुर । बरइछ गांव निवासी अजय राजभर (25) अपनी पतनी कुसुम (23) के साथ बाइक से अस्पताल जा रहा था। मोढ़ेला बाजार नहर के समीप बेकाबू स्कॉर्पियो ने बाइक को रौंद दिया। आजमगढ़-वाराणसी मार्ग पर जौनपुर के मोढ़ेला बाजार नहर के समीप रविवार दोपहर रफ्तार का कहर नजर आया। बाइक सवार पति-पत्नी को रौंदते बेकाबू स्कॉर्पियो गड्ढे में पलट गई। हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। स्कॉर्पियो सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। पुलिस ने दंपती के शव और स्कॉर्पियो को कब्जे में ले लिया। चंदवक थाना क्षेत्र के बरइछ गांव निवासी अजय

राजभर (25) की शादी पिछले साल कुसुम राजभर (23) से शादी हुई थी। कुसुम गर्भवती थी। उसे डॉक्टर से दिखाने के लिए अजय बाइक से चंदवक बाजार जा रहा था। मोढ़ेला बाजार नहर के समीप वाराणसी की तरफ से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक बाइक सवार पति-पत्नी को रौंद दिया। फिर अनियंत्रित स्कॉर्पियो गड्ढे में पलट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल दंपती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, स्कार्पियों में सवार किसी को भी चोट नहीं लगी। पुलिस ने स्कॉर्पियो को कब्जे में ले लिया।

जब एसपी ने खुद परोसा पुलिस कर्मियों की थाली में भोजन

आजमगढ़। पुलिस लाइन में शनिवार की रात बड़ा खाना कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने अपने हाथों से मतहतों के थाली में भोजन परोसा और फिर डीआईजी व अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ पुलिस कर्मियों संग बैठ कर भोजन किया। इस दौरान बेहतर कार्य करने वाले 70 पुलिस कर्मियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित भी किया गया। एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बड़ा खाना कार्यक्रम पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के बीच टीम भावना से काम करने को लेकर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विभाग का अधिकारी हो अथवा कर्मचारी सभी एकजुट होकर आपसी सामंजस्य के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने बताया कि हमारे कर्मचारियों ने बीते दिनों में तीन चुनाव विधान सभा, विधान परिषद व लोकसभा उपचुनाव को सकुशल संपन्न कराया। इसके साथ ही त्योहारों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया। जिसे लेकर भी यह कार्यक्रम आयोजित हुआ है।

आजादी के अमृत महोत्सव रेलवे सुरक्षा बल द्वारा देशव्यापी स्तर पर मनाया जा रहा है-महाप्रबंधक

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया (गोरखपुर)।देश के स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारत ''आजादी का अमृत महोत्सव'' मना रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। यात्री सुरक्षा,रेल सम्पत्ति सुरक्षा एवं यात्री सहायता में तत्पर रहते हुए रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन

परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री अशोक कुमार मिश्र के मुख्य आतिथ्य में मोटर साईकिल रैली का आयोजन किया गया।इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा निकाली गयी मोटर साईकिल रैली को महाप्रबन्धक ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।इस दौरान महाप्रबन्धक ने स्टेशन परिसर में वृक्षारोपण किया।इस कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रगान रेलवे सुरक्षा बल द्वारा गाये गये अमृत गीत के साथ रेलवे सुरक्षा बल बैण्डबाजे के धुन से हुआ। इस अवसर पर महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे श्री अशोक कुमार मिश्र ने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पूरे देश में जोश और हर्षोउल्लास के साथ आजादी का अमृत महोत्व मनाया जा रहा है।इस महोत्सव का शुभारम्भ प्रधानमंत्री भारत सरकार श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी द्वारा साबरमती आश्रम में विगत 12 मार्च, 2021 को किया गया था। आजादी के अमृत महोत्सव को रेलवे सुरक्षा बल द्वारा देशव्यापी स्तर पर मनाया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मंडलों- लखनऊ,वाराणसी एवं इज्जत नगर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा तीस हजार वृक्षारोपण, 75 स्टेशनों पर रेल यात्रियों हेतु जलसेवा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उनके आश्रितों को सम्मानित किये जाने का कार्य,एलईडी. डिस्प्ले वाल तथा रेलवे सुरक्षा बल बैण्ड द्वारा पूर्वोत्तर रेलवे के 75 स्टेशनों पर जन-जागरूकता अभियान एवं सुरक्षा बल की उपलब्धियों का आम जन मानस में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस दौरान महाप्रबन्धक ने कहा कि आजादी के इस अमृत महोत्सव में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मंडलों से निकाली गयी मोटर साईकिल रैली पूर्वोत्तर रेलवे के विभिनन स्टेशनों से गुजरते हुए गोरखपुर में एकत्रित हुई है। उन्होंने कहा कि आज यह रैली गोरखपुर से कुशीनगर, गोपालगंज होते हुए चम्पारन के बापूधाम मोतीहारी स्टेशन के लिये प्रस्थान कर रही है।यह रैली स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण स्थलों से गुजरते हुए अन्य क्षेत्रीय रेलों के मोटर साईकिल रैली समूहों के साथ 15 अगस्त, 2022 की पूर्व संध्या पर नेशनल वार मेमोरियल, इंडिया गेट नई दिल्ली पहुॅचेगी। महाप्रबन्धक ने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य जनमानस को जोड़ना तथा प्रत्येक व्यक्ति में जागरूकता लाना है।महाप्रबन्धक ने उपस्थित जनों को 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बधाई दी एवं यात्री जनता के सुखद यात्रा की मंगल कामना की। इस अवसर पर वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक श्री डी.के.सिंह, प्रमुख विभागाध्यक्ष, सचिव महाप्रबन्धक, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी,उप महाप्रबन्धक/सामान्य, वरिष्ठ अधिकारी, रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी एवं अन्य रेलकर्मी उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, लखनऊ श्री अमित प्रकाश मिश्र ने किया। इस आशय की जानकारी पंकज कुमार सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी गोरखपुर एवं अशोक कुमार जनसंपर्क अधिकारी वाराणसी ने दी है।

कनहर सिंचाई परियोजना के कर्मचारी हड़ताल पर

सोनभद्र। बकाये वेतन का भुगतान किए जाने की मांग को लेकर रविवार को कनहर सिंचाई परियोजना अमवार में कार्यरत ड्राइवर व ऑपरेटर हड़ताल पर रहते हुए प्रदर्शन किया। वेतन न मिलने से वे घर पैसे नहीं भेज पा रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। बकाए वेतन की मांग करने पर कंपनी के जिम्मेदार्र कार्य छोड़कर जाने का दबाव बना रहे हैं। तीन माह से

कर्मचारियों का कहना है कि महीनों से वेतन न मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। कनहर सिंचाई परियोजना में कार्यरत कर्मचारी राजेश, सुरेश, सोनू, कृष्ण कुमार, डीएन सिंह, मनोज, मकबूल आदि का कहना है कि वेतन की मांग को लेकर एचईएस कार्यालय के बाहर विरोध जताया गया है। कहा कि तीन माह से वेतन रुका हुआ है। खेती के लिए खाद-बीज की जरूरत है, लेकिन वेतन न दिए जाने और काम से निकाले जाने की धमकी दिए जाने से आक्रोशित ड्राइवर व आपरेटर हड़ताल पर चले गए हैं। कार्यदायी संस्था एचईएस के जीएम संजीव कुमार ने बताया कि संस्था के अधिकारियों व कर्मचारियों का भुगतान एक सप्ताह के भीतर करा दिया जाएगा। परियोजना के उच्चाधिकारियों की लापरवाही से पेमेंट रुका हुआ है।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने की बैठक, कर्मचारी भावनाओं पर ठेस पहुंचाने का आरोप

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश विद्युत मजदूर संघ कार्यालय पर रविवार को विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक आरजी सिंह की अध्यक्षता में हुई। समिति ने पूर्व में प्रेषित मांग पत्र पर कोई विचार न करने पर असंतोष जताया। प्रबंधन के रवैए की निंदा की। उत्तर प्रदेश विद्युत मजदूर संघ प्रदेश महामंत्री एवं अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शशिकांत श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्य महाप्रबंधक कर्मचारियों, अधिकारियों व संघ प्रतिनिधियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने में असफल सिद्ध हो रहे हैं। कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में संघर्ष समिति की ओर से 24 फरवरी को प्रेषित पत्र पर कोई विचार न किया जाना और समिति की भावनाओं के अनुकूल कार्य न किया जाना कर्मचारियों के प्रति प्रबंधन की उदासीनता का प्रतीक है। उमेश कुमार ने कहा कि परियोजना के अंतर्गत कार्मिकों के कार्य स्थलों पर पीने योग्य साफ पानी की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। बीडी तिवारी ने बताया कि परियोजना कॉलोनी में सैकड़ों आवास पर बाहरी लोगों का अवैध कब्जा है। अध्यक्षता कर रहे आरजी सिंह ने सिविल अभियंता अधिकारियों के विरुद्ध हुई पुलिसिया कार्रवाई की निंदा की। बैठक में योगेंद्र कुमार, शाहिद अख्तर, अंबुज कुमार, सतीश कुमार, प्रहलाद शर्मा, विंध्याचल, विजय कुमार सिंह, विनोद सिंह यादव, उमेश चंद्र, बृजेश यादव, सतीश कुमार, विजय सिंह, विनय सिंह आदि रहे।

वर्कर्स फ्रंट ने उठाया सवाल - जब पर्याप्त है कोयला तो आयात क्यों

सोनभद्र। कोल परियोजनाओं के निरीक्षण के लिए ऊर्जांचल में पहुंचे कोयला सचिव के एनसीएल की उन्होंने महंगे विदेशी कोयला के आयात पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने बताया कि यहां समस्या

परियोजनाओं में पर्याप्त कोयला होने के बयान पर वर्कर्स फ्रंट के अध्यक्ष दिनकर कपूर ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि देश की बिजली परियोजनाओं में जारी कोयला किल्लत के मद्देनजर एनसीएल पहुंचे कोयला सचिव डॉ. अनिल जैन ने कोल उपलब्धता का संकट न होने की बात कही है। बिजली परियोजनाओं के लिए औसतन 14 दिनों के लिए स्टॉक की मौजूदगी भी बताई है। इस पर कोयला उत्पादन नहीं कोयला परिवहन की है। सरकार जबरन आयातित कोयले से बिजली का उत्पादन करने का प्रयास कर रही है। आस्ट्रेलिया से कोयला लाकर देश भर में स्थापित परियोजनाओं तक पहुंचाने, कोयला का मिश्रण करने और महंगे कोयला से वैरियेबुल कास्ट के तकरीबन दोगुना हो जाने से समस्या हल होने के बजाय और जटिल हो जाएगी। जनता पर महंगी बिजली का अनावश्यक बोझ पड़ेगा।

मनरेगा से बनी सड़क को ट्रैक्टर से जोता, प्रदर्शन

सोनभद्र। विकासखंड नगवां के ग्राम पंचायत वैनी के टोला बरहुआ में मनरेगा से बनी चकरोड को अपनी जमीन में बनी रोड बताकर एक व्यक्ति ने ट्रैक्टर से जोत कर उखाड़ दिया। इससे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने रविवार को उच्चाधिकारियों से जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। इससे पहले ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। ग्रामीण शंकर विश्वकर्मा बनारसी ने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व बरहुआ मेन रोड से मुनन के घर तक करीब 300 मीटर चकरोड का निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा से कराया गया था। रोड के किनारे गांव के ही दो लोगों का खेत है। उन लोगों ने चार दिन पूर्व अपना खेत जोतते समय चकरोड को भी ट्रैक्टर से जोत दिया। पूछने पर कहने लगे कि हमारे खेत में चकरोड बना है। मना करने के बावजूद वो लोग नहीं माने और ट्रैक्टर से जोत कर चकरोड को उखाड़ दिया। ग्रामीण श्याम बिहारी, प्रदीप ने कहा कि तत्कालीन ग्राम पंचायत के प्रधान की ओर से लेखपाल कानूनगो और पुलिस प्रशासन के साथ जमीन की नापी कराकर चकरोड बनवाया गया था लेकिन मनबढ़ों ने अपना खेत जोतने के बाद चकरोड को भी पूरी तरह ट्रैक्टर से जोत कर उखाड़ दिया। इसकी सूचना ग्राम पंचायत और स्थानीय लेखपाल को दे दी गई है। प्रदर्शन में सुरेश यादव, कन्हैया, अंकित कुमार, विनोद कुमार, प्रमोद, प्रवीण कुमार, जयप्रकाश, निशा देवी, पूजा देवी, पार्वती, बनारसी, शंकर आदि मौजूद रहे।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में पति, ससुर, ननद के खिलाफ केस दज

सोनभद्र। कुछ दिनों पूर्व इंटर कॉलेज के प्रवक्ता की पतने की फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में शनिवार की शाम पुलिस ने पति, ससुर व ननद के खिलाफ विभिनन्न पिता युवराज सिंह निवासी सोनगढ़ा मिर्जापुर ने तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी पूजा का विवाह 2015 में घोरावल कोतवाली क्षेत्र के लिलवाही में प्रदीप सिंह के साथ

धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मृतका के पिता की तहरीर पर यह कार्रवाई हुई है। आरोपियों पर विवाहिता को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि मृतका पूजा सिंह के हुआ था। शादी के समय उन्होंने सामर्थ्य के अनुसार आठ लाख रुपये खर्च किया था लेकिन शादी के बाद से ही प्रदीप और उसके परिजन दहेज में दो लाख रुपये की मांग बनाए रखे थे। दहेज की मांग को लेकर उसकी पुत्री पूजा को आए दिन प्रताडि.त करते थे। उनके दो बच्चे हैं। कुछ माह पूर्व प्रदीप पूजा को लेकर किराए के मकान में घोरावल से सटे सिरसाई में रेंज ऑफिस के पास बच्चों को पढ़ाने के नाम पर ले गए। 10 जुलाई को पूजा का फोन उनकी बहू के मोबाइल पर आया कि प्रदीप और ससुर, ननद दहेज की रकम को लेकर गाली दे रहे हैं और प्रताडि.त कर रहे हैं। धमकी भी दे रहे हैं कि तलाक दे दो नहीं तो प्रदीप की तीसरी शादी करा दी जाएगी। 11 जुलाई को पूजा की मौत की सूचना पुलिस से मिली। युवराज सिंह ने बताया कि प्रदीप की पहली पतने को भी प्रदीप के घर वालों ने प्रताडि.त करते हुए जलने के लिए विवश कर दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। अब भी उस मामले का मुकदमा न्यायालय में चल रहा है। इस बात को छिपा कर उसकी पुत्री पूजा से दूसरी शादी की गई। पुलिस ने इस मामले में मृतका के पिता युवराज सिंह की तहरीर पर पति प्रदीप कुमार सिंह, ससुर राम नगीना सिंह और ननद पूनम के विरुद्ध शनिवार की रात एफआईआर दर्ज कर लिया है।

बारिश के लिए अखंड कीर्तन, हो रहा राम नाम का जाप

सोनभद्र। बारिश के लिए टोटकों के साथ लोग पूजन-अर्चन भी कर रहे हैं। बभनी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सागोबांध के महदानी घुटरा पहाड़ पर पिछले सोमवार से भगवान इंद्र को खुश करने के लिए लगातार अखंड कीर्तन राम नाम का जाप हो रहा है। सागोबांध ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गोपाल प्रसाद ने कहा कि जब तक भगवान इंद्र नहीं खुश होंगे तब तक लगातार कीर्तन का जाप होता रहेगा। कोई व्यक्ति 24 घंटे का कार्यक्रम का खर्चा का वहन कर रहा है तो कोई व्यक्ति भोजन चाय नाश्ता आदि का प्रबंध कर रहा है। इस तरह से लगातार चल रहे कार्यक्रम को देखने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कई गांव के लोग पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम में मौजूद क्षेत्र के संभ्रांत लोगों का कहना है कि जब तक क्षेत्र में जोरदार बारिश नहीं होगी तब तक हम सभी लोग रामनाम का जाप करते रहेंगे। मुख्य रूप से प्रधान प्रतिनिधि गोपाल प्रसाद सहित ग्रामीणों में अशोक कुमार सिंह, शिव प्रसाद शर्मा, सोनू शर्मा, दशरथ प्रजापति, पं. सत्यनारायण दिनेश कुमार, लालबाबू आदि रहे।

बरसी पर छावनी बना रहा उभ्भा, ज्ञापन देकर लौटे लोग

सोनभद्र। जमीन विवाद में हुई सामूहिक हत्याओं की तीसरी बरसी पर रविवार को उभ्भा गांव छावनी में तब्दील रहा। एडीएम और एएसपी के नेतृत्व में भारी फोर्स ने गांव में डेरा डाले रहा। गांव के चारों तरफ नाकेबंदी से कोई भी बाहरी प्रवेश नहीं कर सका। गांव में ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष के आवास पर एकत्रित होकर पीडि.त परिवारों ने घटनास्थल पर जाने की कोशिश की लेकिन पीएसी के जवान तैनात रहे। उभ्भा-कन्हारी मार्ग, प्राथमिक विद्यालय उभ्भा, घटनास्थल समेत तमाम जगहों पर बैरिकेडिंग कर पुलिस ने बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। एडीएम सहदेव मिश्रा, एएसपी विनोद कुमार, एसडीएम श्याम प्रताप सिंह, सीओ संजीव कटियार, तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव, प्रभारी निरीक्षक गोपालजी, उभ्भा चौकी प्रभारी बालेंद्र यादव डटे रहे। सीओ संजीव कटियार, प्रभारी निरीक्षक गोपालजी, उभ्भा चौकी प्रभारी बालेंद्र यादव वहां पहुंचे। सभी को प्राथमिक विद्यालय के पास रोक दिया गया। प्रशासन ने अपने-अपने घरों में बरसी व श्रद्धांजलि कार्यक्रम मनाने को कहा। इसके बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामराज गोंड के नेतृत्व में उभ्भा कांड में मारे गए आदिवासियों के परिजनों ने

अफसरों की सख्ती से उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं मिली। लिहाजा वह प्रशासन को ज्ञापन देकर लौट गए। वर्ष 2019 में उभ्भा गांव में जमीन विवाद को लेकर गोंड जनजाति की चार महिलाओं समेत 11 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले में 28 लोग घायल हुए थे। रविवार को तीसरी बरसी पर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। एक दिन पहले से ही खुफिया इकाई के माध्यम से गांव की निगरानी बढ़ा दी गई थी। चप्पे-चप्पे पर पुलिस व आसपास के इलाके में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद सुबह साढ़े 10 बजे अचानक हलचल तेज हुई। एक-एक कर 40 लोग कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामराज गोंड के गांव स्थित आवास पर एकत्रित हो गए। इनमें मृतकों के परिजन भी शामिल थे। वह हाथों में अपने प्रियजनों की तस्वीर भी लिए थे। वहां से सभी ने घटनास्थल पर जाने की कोशिश की लेकिन मौके पर तत्काल तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव, राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि उभ्भा कांड में शहीद 11 आदिवासियों की स्मृति में घटनास्थल पर शहीद स्मारक बनाने के लिए जमीन उपलब्ध कराई जाए। शहीद स्मारक बनाने के साथ ही घटनास्थल पर सामुदायिक भवन बनाया जाए। शिक्षा, बिजली, सिंचाई, सुरक्षा सहित अन्य के लिए की गई घोषणाओं को शीघ्र पूरा किया जाए।

पिकअप से पुलिस कर्मियों को कुचलने की कोशिश, केस

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के बभनौली गांव के पास शनिवार की रात पशु तस्करों ने पिकअप से पुलिस कमिर्यों को कुचलने का प्रयास किया। पुलिस कमिर्यों ने भागकर किसी तरह से जान बचाई। इसके बाद पीछा कर मवेशियों से भरी पिकअप को पकड़ लिया। अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर फरार हो गए। पुलिस ने पिकअप में तड़प रहे तीन मवेशियों को मुक्त कराते हुए वाहन को सीज कर दिया। पशु तस्करों के खिलाफ जानलेवा हमला करने समेत विभिनन्न धाराओं में केस दर्ज कर पुलिस तलाश में जुट गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में पशु तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शनिवार की रात सदर कोतवाली क्षेत्र के बभनौली गांव के समीप हिंदुआरी चौकी प्रभारी कुंवर सिंह और कांशीराम चौकी इंचार्ज बृजेश दुबे फोर्स के साथ मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि पुलिस कमिर्यों ने बभनौली गांव से राजमार्ग की ओर आ रही एक पिकअप को रोकने का इशारा किया तो चालक ने जान से मारने की नियत से वाहन की स्पीड बढ़ा दी। हालांकि पुलिस कमिर्यों ने भागकर किसी तरह से जान बचाई। वहीं कुछ पुलिस कमिर्यों ने पीछा कर पिकअप को पकड़ लिया। हालांकि पशु तस्कर भाग निकले। इंस्पेक्टर ने चौकी इंचार्ज कुंवर सिंह की तहरीर पर बभनौली गांव निवासी शौकत अली, गुलाम नबी, शाहरुख और पिकअप के चालक के खिलाफ जानलेवा हमला करने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्र:** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करे:** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पास:** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथि: 31 जुलाई 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

भारत पिछले आठ साल में इंग्लैंड में द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने वाली सिर्फ दूसरी टीम, जानें सभी रिकॉर्ड्स

नई दिल्ली। टीम इंडिया इंग्लैंड में 2015 से लेकर अब तक यानी पिछले आठ साल में द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने वाली सिर्फ दूसरी टीम है। इस दौरान इंग्लैंड ने 15 द्विपक्षीय वनडे सीरीज सात भारत ने इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 2-1 से हरा दिया। आखिरी वनडे में टीम इंडिया ने पांच विकेट से जीत हासिल की। भारत की ओर से ऋषभ पंत ने शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं, हार्दिक पांड्या के ऑलराउंड प्रदर्शन ने फैन्स का दिल जीत लिया। इस जीत के साथ भारत ने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। टीम इंडिया इंग्लैंड में 2015 से लेकर अब तक यानी पिछले आठ साल में द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने वाली सिर्फ दूसरी टीम है। इस दौरान इंग्लैंड ने 15 द्विपक्षीय वनडे सीरीज सात टीमों के खिलाफ खेली है। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया ने 2015 में इंग्लैंड को 3-2 से और 2020 में 2-1 से हराया था। 2015 से लेकर अब तक घरेलू मैदान पर द्विपक्षीय वनडे सीरीज में इंग्लैंड की हार ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2015 में 3-2 से सीरीज जीती ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2020 में 2-1 से सीरीज जीती भारतीय टीम ने 2022 में 2-1 से सीरीज जीती भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 2015 वनडे वर्ल्ड कप के बाद से आठ व्हाइट बॉल सीरीज (वनडे और टी20) खेली है। इसमें से टीम इंडिया ने सात सीरीज में जीत हासिल की। सिर्फ 2018 में इंग्लैंड ने अपने घर में वनडे सीरीज में भारत को 2-1 से हराया था। बाकी सात सीरीज भारत ने अपने घर और इंग्लैंड के घर में जीती है। भारत ने वनडे में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 11 सीरीज जीती हैं। हालांकि, इंग्लैंड की धरती पर यह टीम इंडिया की चौथी वनडे सीरीज जीत है। इसमें 1986 में 1-1 से बराबर छूटी सीरीज भी शामिल है, जिसमें भारत को विजेता घोषित किया गया था। भारतीय टीम आठ साल बाद इंग्लैंड में वनडे सीरीज जीतने में कामयाब हो पाई। पिछली बार टीम इंडिया ने इंग्लैंड में 2014 में 3-1 से वनडे सीरीज जीती थी। रोहित शर्मा की कप्तानी में तीनों फॉर्मेट मिलाकर टीम इंडिया ने लगातार सातवीं सीरीज में जीत हासिल की है। इस दौरान भारत ने न्यूजीलैंड को घरेलू टी-20 सीरीज, फिर वेस्टइंडीज को टी-20 और वनडे सीरीज, श्रीलंका को टेस्ट और टी-20 सीरीज और फिर इंग्लैंड को टी-20 और वनडे सीरीज में शिकस्त दी है। मैच की बात करें तो इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.5 ओवर में 259 रन पर सिमट गई थी। जवाब में भारत ने एक वक्त 72 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत ने पांचवें विकेट के लिए 133 रन की साझेदारी निभाई। हार्दिक पांड्या ने 55 गेंदों पर 71 रन की पारी खेली। वहीं, ऋषभ पंत 113 गेंदों पर 125 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 260 रन का लक्ष्य 43वें ओवर में हासिल कर लिया।

श्रीलंका क्रिकेट के सचिव ने बताया- देश में एशिया कप होने की संभावना कम

नई दिल्ली । मेजबान बदला तो पाकिस्तान को फायदाश्रीलंका में तनावपूर्ण हालातों के चलते एशिया कप की मेजबानी इस देश से छिन सकती है। ऐसे में यूएई में एशिया कप हो सकता है। ऐसा होने पर पाकिस्तान की टीम को फायदा मिलेगा, क्योंकि पाकिस्तान ने यूएई में काफी ज्यादा मैच खेले हैं। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के सचिव मोहन डे सिल्वा ने कहा है कि देश में राजनीतिक अस्थिरता के चलते एशिया कप का आयोजन यूएई में हो सकता है। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने श्रीलंका को इस टूर्नामेंट की मेजबानी दी थी, लेकिन यहां की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। ईंधन सहित मूलभूत चीजों की कमी होने की वजह से लोगों में आक्रोश है और लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। हाल ही में प्रदर्शनकारियों ने श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच के दौरान पूरा गॉल स्टेडियम घेर लिया था। इसके बाद यहां एशिया कप के आयोजन की संभावना बेहद कम दिख रही है। प्रदर्शनकारियों ने श्रीलंका के राष्ट्रपति आवास पर भी कब्जा कर लिया है और राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे सेना के विमान के जरिए देश छोड़ चुके हैं। इसके बाद यहां के हालात सामान्य होने की संभावना बेहद कम है और 26 अगस्त से 11 सितंबर के बीच होने वाला एशिया कप अब यूएई में हो सकता है। हालांकि, इस टूर्नामेंट की तारीखों में बदलाव होने की संभावना कम है मुख्य दौर के मैच शुरू होने से पहले एक क्वालीफायर राउंड में हांगकांग, सिंगापुर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात की टीमें आपस में खेलेंगी। यहां जीतने वाली टीम मुख्य दौर में जगह बनाएगी। अफगानिस्तान, श्रीलंका, पाकिस्तान, भारत और बांग्लादेश की टीम पहले ही इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे में नहीं हुई परेशानी श्रीलंका ने इसी महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज की मेजबानी की थी, लेकिन इन तीनों सीरीज के आयोजन में कोई परेशानी नहीं हुई। प्रदर्शनकारियों ने मैदान जरूर घेरा, लेकिन मैच चलता रहा और प्रदर्शन के दौरान हिंसा नहीं हुई। अब पाकिस्तान की टीम यहां टेस्ट मैच खेल रही है और अब तक मैच के आयोजन में कोई परेशानी नहीं हुई है। एशिया कप के जरिए सभी टीमें एशियाई टीमें अक्तूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी करेंगी। एसीसी के अध्यक्ष और बीसीसीआई सचिव जय शाह जल्द ही एशिया कप के नए मेजबान के नाम का आधिकारिक एलान कर सकते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को कहा कि वह चाहता है कि एशिया कप श्रीलंका में खेला जाए। पीसीबी के मुख्य कार्यकारी फैसल हसनैन ने कहा ठहमारी पहली प्राथमिकता श्रीलंका का समर्थन करना और वहां एशिया कप खेलना है। अगर यह टूर्नामेंट श्रीलंका में नहीं होता है, तो यह उनके लिए एक बहुत बड़ा क्रिकेट और वित्तीय नुकसान होगा। ऑस्ट्रेलिया का हालिया श्रीलंका दौरा बिना किसी समस्या के हुआ। पाकिस्तान के मौजूदा श्रीलंका दौरे में कोई समस्या नहीं आई है, क्योंकि हम लगातार श्रीलंका क्रिकेट और देश में हमारे दूतावास के संपर्क में हैं। यूएई में हुआ एशिया कप तो पाकिस्तान को फायदा अगर श्रीलंका में एशिया कप नहीं होता है तो यूएई को इस टूर्नामेंट की मेजबानी मिलना लगभग तय है। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक दूसरे के देश में नहीं खेलती हैं। ऐसे में ये दोनों देश मेजबानी की रेस से हट जाते हैं।

मुरली विजय की तूफानी पारी, 66 गेंदों पर बना डाले 121 रन, सिर्फ चौके छक्के से बटोरे 100 रन

नई दिल्ली। नेल्लई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट पर 236 रन बनाए। जवाब में रूबी की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 170 रन बना सकी। इसमें विजय ने 66 गेंदों पर 121 रन की पारी खेली। नेल्लई के सामने रूबी को 66 रन से हार का सामना करना पड़ा। नेल्लई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजय यादव के शतक की

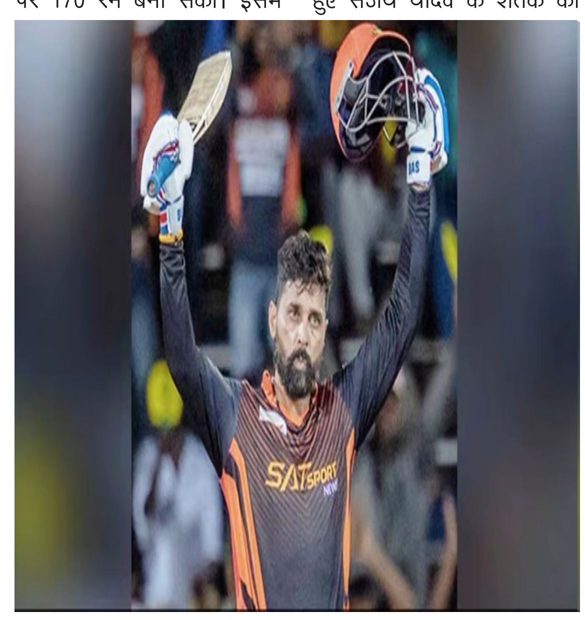

अकेले मुरली विजय ने 66 गेंदों पर 121 रन की पारी खेली। भारतीय ओपनर मुरली विजय ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) में कहर बरपाया है। उन्होंने टीएनपीएल के 19वें मैच में 66 गेंदों पर 121 रन की पारी खेली। सिर्फ चौके-छक्के से ही मुरली ने 100 रन बटोर लिए। मुरली ने अपनी पारी में 12 छक्के और सात चौके लगाए। इस पारी से मुरली ने फैन्स का दिल जीत लिया। यह पारी मुरली ने नेल्लई रॉयल किंग्स के खिलाफ खेलते हुए रूबी वॉरियर्स के लिए लगाई। नेल्लई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट पर 236 रन बनाए। जवाब में रूबी की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 170 रन बना सकी। इसमें अकेले मुरली बदौलत 236 रन बनाए। संजय ने 55 गेंदों पर 103 रन की नाबाद पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने छह चौके और नौ छक्के लगाए। इसके अलावा बाबा अपराजित ने भी 48 गेंदों पर 92 रन की नाबाद पारी खेली। अपराजित ने अपनी पारी में पांच चौके और आठ छक्के लगाए। वहीं, रूबी वॉरियर्स की ओर से विजय के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चला। टीम के पांच बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। वहीं, आदित्य गणेश ने 13 रन और श्रवण कुमार ने 10 रन की पारी खेली। मुरली वजय ने 57 गेंदों पर ही शतक पूरा कर लिया था। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

कोहली की सलाह मानकर सिराज ने लिया बदला

नई दिल्ली । भारत से टेस्ट मैच छीनने वाले रूट-बेयरस्टो को शून्य पर आउट कियाविराट कोहली की बात मानकर मोहम्मद सिराज ने अपने पहले ही ओवर में जॉनी बेयरस्टो और जो रूट को आउट किया। दोनों बल्लेबाज अपना खाता तक नहीं खोल सके। इन्हीं दोनों बल्लेबाजों ने एजबेस्टन में भारत से जीत छीनी थी। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा

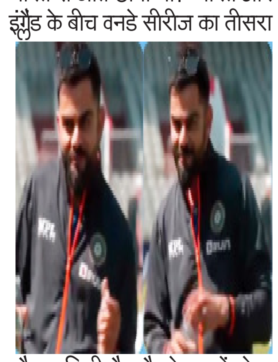

और आखिरी मैच मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। इस मैच में एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत की है। इस मैच में जसप्रीत बुमराह नहीं खेल रहे, लेकिन उनकी जगह टीम में आए सिराज ने बुमराह की कमी नहीं खलने दी। सिराज ने अपने पहले ही ओवर में दो विकेट झटके और इंग्लैंड की टीम को बैकफुट में ढकेल दिया। हालांकि, इसमें विराट कोहली का योगदान भी काफी ज्यादा था। सिराज ने कोहली की बात मानकर ही गेंदबाजी की थी और इंग्लैंड दो अहम बल्लेबाजों को चार गेंद के अंदर आउट कर दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने पहले ओवर में कुछ खास नहीं किया था। शमी के ओवर में रॉय ने तीन चौके लगाए थे। इसके बाद दूसरे ओवर में सिराज गेंदबाजी के लिए आए। विराट ने उनके साथ बातचीत की और ओवर की तीसरी गेंद में ही उन्होंने जॉनी बेयरस्टो को श्रेयस अय्यर के हाथों कैच आउट करा दिया। बेयरस्टो ने तीन गेंदें खेली, लेकिन अपना खाता तक नहीं खोल सके। इसके बाद फिर विराट ने सिराज के साथ बात की और ओवर की आखिरी गेंद में जो रूट भी स्लिप में रोहित शर्मा को कैच देकर आउट हो गए।

पंत के बाद कोहली ने भी शास्त्री को ऑफर की शैंपेन, सिराज ने दो बार बटलर के सिर में मारी गेंद

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला भारत ने पांच विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 259 रन बनाए थे। भारत के लिए यह लक्ष्य बहुत बड़ा नहीं था। हालांकि, शुरुआत में टीम इंडिया लड़खड़ाई और 72 रन पर चार विकेट गंवा दिए। इसके बाद लगा कि पिछले मैच की तरह एक बार फिर टीम इंडिया छोटे स्कोर पर सिमट जाएगी और मैच के साथ सीरीज भी गंवा देगी। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। ऋषभ पंत और हार्दिक पांड्या ने शातकीय साझेदारी कर भारत की जीत तय कर दी थी। इसके बाद पंत और जडेजा ने टीम इंडिया को जीत दिलाई। इस मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ी आक्रामक अंदाज में नजर आए और सिराज ने दो बार बटलर के सिर पर बाउंसर मारी। वहीं, मैच के बाद भारतीय टीम ने जमकर मस्ती की। ऋषभ पंत ने अपनी शैंपेन पूर्व कोच शास्त्री को ऑफर की। इसके बाद विराट ने भी अपनी शैंपेन ऑफर की। यहां हम मैच के ऐसे ही खास पल तस्वीरों में दिखा रहे हैं। इस मैच के बाद ऋषभ पंत ने अपनी शैंपेन पूर्व कोच रवि शास्त्री को दे दी। इसके बाद विराट कोहली ने भी इशारे में शास्त्री से पूछा कि उन्हें विराट की शैंपेन भी चाहिए? इसके जवाब में शास्त्री ने माइक दिखाते हुए इशारा किया कि वो यहां पर कमेंटेटर के रूप में

आए हैं और मैच खत्म होने के बाद भी उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी है। इंग्लैंड की पारी के 19वें ओवर में कप्तान रोहित शर्मा ने मोहम्मद सिराज को दूसरा स्पेल दिया। इस ओवर की दूसरी गेंद बाउंसर थी और सीधे जोस बटलर को जाकर लगी। फिजियो मैदान में आए और मैच थोड़ी देर के लिए रुका रहा। इसके बाद सिराज ने अगली गेंद भी बेहतरीन आउंसर की और फिर से गेंद बटलर के सिर पर लगी। इस बार उन्हें अपना हेलमेट भी बदलना पड़ा। हालांकि, इससे बटलर की बल्लेबाजी पर असर नहीं पड़ा और वो 37वें ओवर तक खेलते रहे। 125 रन की नाबाद पारी के दम पर भारत को जीत दिलाने के बाद ऋषभ पंत ने ड्रेसिंग रूम की तरफ देखा और अपना अंगूठा दिखाते हुए कहा कि सब कुछ ठीक रहा और वो भारत को मैच जिताने में सफल रहे। इसके जवाब में कप्तान रोहित ने भी ड्रेसिंग रूम से सहमति में अंगूठा दिखाया।

इस बाएं हाथ के दिग्गज बल्लेबाज ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय को कहा अलविदा, एक शतक भी जड़ चुका

नई दिल्ली । तमीम ने 78 टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 24.08 की औसत और 117.2 के स्ट्राइक रेट से 1758 रन बनाए। इसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल है। इसके अलावा तमीम ने 69 टेस्ट और 228 वनडे भी खेले हैं। बांग्लादेश के दिग्गज ओपनर तमीम इकबाल ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया है। हालांकि, वह वनडे, टेस्ट और टी-20 लीग या घरेलू टी-20 खेलते रहेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद तमीम ने इसका एलान किया। तमीम वनडे में बांग्लादेश के कप्तान भी हैं। तमीम ने विंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की। तमीम ने बांग्ला में लिखा- आज से मुझे टी-20 अंतरराष्ट्रीय से रिटायर्ड समझें। तमीम ने इसी साल 27 जनवरी को टी-20 अंतरराष्ट्रीय से छह महीने का ब्रेक लिया था। हालांकि, उन्होंने घरेलू टी-20 टूर्नामेंट खेलना जारी रखा था। तमीम ने कहा था कि वह छह महीने के अंदर टी-20 को लेकर अपने भविष्य के बारे में बता देंगे। हालांकि, छह महीने बाद तमीम ने ऐसा किया है।तमीम ने 78 टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 24.08 की औसत और 117.2 के स्ट्राइक रेट से 1758 रन बनाए। इसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल है। इसके अलावा तमीम ने 69 टेस्ट और 228 वनडे भी खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 5082 रन और वनडे में 7943 रन हैं। टेस्ट में तमीम 10 शतक और 31 अर्धशतक लगा चुके हैं। वहीं, वनडे में उनके नाम 14 शतक और 53 अर्धशतक हैं।

हैम्पशायर की जीत पर छूटने लगे पटाखे फिर अंपायर ने किया नो बॉल का इशारा

नई दिल्ली । इंग्लैंड की घरेलू क्रिकेट लीग टी20 ब्लास्ट के फाइनल में जमकर ड्रॉमा देखने को मिला। इस मैच में पहले हैम्पशायर के खिलाड़ियों ने खिताब जीतने का जश्न मना लिया। इसके बाद अंपायर ने बताया कि आखिरी गेंद नो बॉल थी और सभी खिलाड़ियों को फिर से फील्डिंग के लिए जाना पड़ा। अंत में हैम्पशायर की टीम यह मैच एक रन से जीतने में कामयाब रही। अब इस लीग के आखिरी ओवर का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह फाइनल मैच क्रिकेट इतिहास के सबसे रोमांचक फाइनल मैच में एक है। क्या है मामला फाइनल मैच की आखिरी गेंद में लंकशायर की टीम को जीत के लिए पांच रन चाहिए थे। इंग्लैंड ग्लीसन स्ट्राइक पर थे, जिन्होंने हाल ही में भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं, गेंद ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस के पास थी। एलिस ने शानदार यॉर्कर गेंद की और ग्लीसन क्लीन बोल्ड हो गए। इसके बाद हैम्पशायर हॉक्स के खिलाड़ी जीत का जश्न मनाने लगे। मैदान के बाहर हैम्पशायर की जीत की खुशी में आतिशबाजी

भी होने लगी। इसके बाद अंपायर ने बताया कि एलिस की आखिरी गेंद नो बॉल थी और जश्न मना रहे खिलाड़ियों को पहले की तरह फील्डिंग में जाने के लिए कहा। हैम्पशायर के खिलाड़ियों की खुशी गायब हो चुकी थी और सभी के चेहरे पर तनाव साफ दिख रहा था। आखिरी गेंद में फ्री हिट थी और अब लंकशायर को जीत के लिए सिर्फ चार रन की जरूरत थी। इस बार एलिस ने धीमी गेंद की और ग्लीसन गेंद पर बल्ला भी नहीं लगा सके। हालांकि, बल्लेबाजों ने बाई के दो रन भाग लिए और अंत मे हैम्पशायर की टीम एक रन से मैच जीत गई। टीम के खिलाड़ी दूसरी बार जीत का जश्न मनाने लगे। हालांकि, इस बार के जश्न में पहले की तरह उत्साह नहीं था। इस मैच में हैम्पशायर के लिए बेन मैकडरमॉट ने 36 गेंद में 62 रन की बेहतरीन पारी खेली। उनके अलावा रॉस ने 22 और वुड ने 20 रन बनाए। अंत में हैम्पशायर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 152 रन बना पाई। लंकशायर के लिए पर्किंसन ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। ल्यूक वुड को दो विकेट मिले। इसके जवाब में लंकशायर की टीम आठ विकेट खोकर 151 रन ही बना पाई। सबसे ज्यादा 36 रन स्टीवन क्राफ्ट ने बनाए। ल्यूक वेल्स ने 27 रन की पारी खेली।

राशीफल

मेष-:आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-:आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-:कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-:आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-:बेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-:आज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-:आज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-:अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-:आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगें।

कुंभ-:अपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

सम्पादकीय

यूं साबित हुई दादा साहब फाल्के पुरस्कार की सही हकदार

अपने जमाने की रहीं सुपरस्टारभारतीय सिने जगत में कानन देवी का नाम एक ऐसी शख्सियत के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने न केवल फिल्म निर्माण की विधा बल्कि अभिनय और पार्श्वगायन से भी दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई थी। अपने दौर की पहली महिला सुपरस्टार रहीं अभिनेत्री कानन देवी का जन्म 22 अप्रैल 1916 को ब्रिटिश बंगाल के हावड़ा में एक मध्यम वर्गीय बंगाली परिवार में हुआ था। भारतीय सिने जगत में कानन देवी का नाम एक ऐसी शख्सियत के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने न केवल फिल्म निर्माण की विधा, बल्कि अभिनय और पार्श्वगायन से भी दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई थी। बगैर प्रशिक्षण हासिल किए कानन ने गायन की दुनिया में प्रवेश किया और अभिनय के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई। वह पहली बांग्ला कलाकार थीं, जिन्हें भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1976 में 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। 10 साल की उम्र में आर्थिक जिम्मेदारी कानन के दत्तक पिता रमेशचन्द्र दास की जब मृत्यु हुई उस समय वह महज 10 साल की थीं। इसके बाद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को देखते हुए कानन देवी अपनी मां के साथ काम में हाथ बंटाने लगीं। तब अपने एक पारिवारिक मित्र की मदद से उन्हें 'ज्योति स्टूडियो' द्वारा निर्मित फिल्म 'जयदेव' में काम करने का अवसर मिला। इसके बाद कानन देवी ने ज्योतिस बनर्जी के निर्देशन में राधा फिल्म्स के बैनर तले बनी कई फिल्मों में बतौर बाल कलाकार काम किया। कुछ समय के बाद कानन देवी न्यू थियेटर में शामिल हो गईं। इस बीच उनकी मुलाकात रायचंद बोराल से हुई, जिन्होंने कानन देवी के सामने हिन्दी फिल्मों में काम करने का प्रस्ताव रखा। तीस और चालीस के दशक में फिल्मों अभिनेता या अभिनेत्रियों को फिल्मों में अभिनय के साथ ही पार्श्वगायक की भूमिका भी निभानी पड़ती थी। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए कानन देवी ने भी संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी। उन्होंने उस्ताद अल्लारक्खा और भीष्मदेव चटर्जी से संगीत की ट्रेनिंग ली। वर्ष 1937 में प्रदर्शित फिल्मों 'मुक्ति' बतौर अभिनेत्री कानन देवी के सिने करियर की सुपर हिट फिल्म साबित हुई। पीसी बरुआ के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कामयाबी के बाद कानन देवी न्यू थियेटर की चोटी की कलाकारों में गिनी जाने लगी थीं। सन 1941 में कानन देवी ने न्यू थियेटर छोड़ दिया और अब वे स्वतंत्र तौर पर काम करने लगीं। 1942 में आई 'जवाब' कानन देवी के हिंदी फिल्मों के करियर में सबसे हिट फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में उन पर फ़िल्माया गया यह गीत 'दुनिया है तूफान मेल', उन दिनों काफ़ी लोकप्रिय हुआ। इसके बाद कानन देवी की 'हॉस्पिटल', 'वनफूल' और 'राजलक्ष्मी' जैसी फिल्में आईं। साल 1948 में की थी आखिरी फिल्म 1948 में आई 'चंद्रशेखर' कानन देवी की बतौर एक्ट्रेस आखिरी हिंदी फिल्म थी। इस फिल्म में उनके अपोजिट अशोक कुमार थे। भले ही कानन को फिल्मों में कामयाबी मिली लेकिन निजी जिंदगी में उन्हें काफी मुश्किलों और दर्द का सामना करना पड़ा। 1940 में कानन देवी ने ब्रह्म समाज के मशहूर शिक्षाविद हरम्बा चंद्र मैत्रा के बेटे अशोक मैत्रा से शादी की लेकिन पूरा समाज इस शादी के खिलाफ था क्योंकि उस दौर में महिलाओं का फिल्मों में काम करना अच्छा नहीं माना जाता था। वहीं, जब मशहूर कवि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने कानन और अशोक की शादी पर गिफ्ट और आशीर्वाद दिया तो ब्रह्म समाज ने उनकी भी बहुत आलोचना की। हालांकि, बाद में यह शादी टूट गई और कानन को तलाक लेना पड़ा। कानन इससे बहुत दुखी हुईं। तलाक के बावजूद उनके अपने ससुरालवालों खास तौर पर सास और ननद से मधुर संबंध बने रहे। फिर साल 1949 में कानन ने एक नौ-सैनिक अधिकारी हरिदास भट्टाचार्य से दूसरी शादी कर ली। 17 जुलाई 1992 को कानन देवी इस दुनिया को अलविदा कह गईं। अपने तीन दशक लंबे सिने करियर में उन्होंने लगभग 60 फिल्मों में अभिनय किया। सिनेमा जगत में कानन के योगदान को देखते हुए 1976 में 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। 1968 में सरकार ने उन्हें पदमश्री से भी सम्मानित किया था। डिस्क्लेमर (अस्वीकरण): यह लेखक के निजी विचार हैं। आलेख में शामिल सूचना और तथ्यों की सटीकता, संपूर्णता के लिए अमर उजाला उत्तरदायी नहीं है।

जानिए ऐसा क्यों कह रहे हैं पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबर

मक्या देश में सचमुच कोई ऐसा मध्य वर्ग है, जिसमें सांविधानिक सुधार, सरोकार और सुरक्षा से जुड़े मूल्य हैं? अखबार पढ़ते हुए, नेटफ्लिक्स से चिपके रहकर और आईपीएल से मनोरंजन करते हुए, मध्य वर्ग ने स्वेच्छा से खुद को राष्ट्रीय विमर्श से अलग कर लिया है। कभी-कभी मैं सोचता हूं कि क्या भारत में सचमुच कोई ऐसा मध्य वर्ग है, जिसमें सांविधानिक मध्यवर्ती वर्ग उभरा और यही आगे चलकर मध्य वर्ग बना। पहली बार शिक्षकों, डॉक्टरों, वकीलों, जजों, सरकारी कर्मचारियों, सैन्य अधिकारियों, पत्रकारों और लेखकों का बौद्धिक वर्ग उभरा, जिसने मध्य वर्ग के मूल का गठन किया। स्वतंत्रता संघर्ष का नेतृत्व करने वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में कुछ थोड़े से नेताओं को छोड़कर अधिकांश नेता मध्य वर्ग से ही आए थे। इनमें

सुधार, सरोकार और सुरक्षा से जुड़े मध्य वर्गीय मूल्य हैं। मुझे पता है कि ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके पास वे मूल्य हैं, लेकिन एक 'वर्ग' के रूप में वे मूल्य आज काफी हद तक अनुपस्थित हैं। देखा जा सकता है कि स्वतंत्रता आंदोलन इसके उलट था। 19 वीं सदी के भारत में अमीर लोगों की संख्या बहुत कम थी और बाकी लोग गरीब थे। पश्चिमी शिक्षा प्रणाली के आगमन– विशेष रूप से अंग्रेजी में पढ़ाई और अंग्रेजी की पढ़ाई– और पश्चिमी कानून व्यवस्था से एक शिक्षित नौरोजी, गोखले, लाजपत राय, तिलक, सीआर दास, राजेंद्र प्रसाद, पटेल, आजाद, राजगोपालाचारी, सरोजनी नायडू, कलप्पन और पोट्टी श्रीरामुलु जैसे कुछ उल्लेखनीय नाम शामिल थे। अपनी किताब हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया में डॉ. तारा चंद ने कहा है, 'लोगों में राष्ट्रीय चेतना फैलाने, राष्ट्रीय आजादी के आंदोलन को संगठित करने और अंततः देश को विदेशी शासन से मुक्त करवाने का श्रेय इसी वर्ग को दिया जाना चाहिए।' अग्रिम मोर्चे पर इन नेताओं के आह्वान पर लोग सामने आते थे।

मानसून सत्र में मुद्दे, 24 विधेयक होंगे पेश

पिछले कुछ सत्रों से देखा जा रहा है कि विपक्ष के हंगामे के कारण सरकार बिना बहस के विधेयकों को पारित करवा लेती है। संसद की कार्यवाही स्थगित होने से सरकार को ही फायदा मिलता है। संसद का मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा है, जो आगामी 12 अगस्त तक चलेगा। मानसून सत्र में केंद्र सरकार 24 विधेयक पेश करने वाली है। इसमें वन संरक्षण संशोधन विधेयक, ऊर्जा संरक्षण संशोधन विधेयक, परिवार अदालत संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय रेल परिवहन संस्थान को गतिशक्ति विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने संबंधी विधेयक शामिल है। इसके अलावा, सरकार चार ऐसे विधेयक भी पेश करेगी, जिस पर संसद की स्थायी समितियों ने विचार किया है। जबकि विपक्ष की योजना है कि सरकार को जवाबदेह बनाया जाए और मुद्दों पर बहस हो। पिछले कुछ सत्रों से देखा जा रहा है कि विपक्ष के हंगामे के कारण सरकार बिना बहस के विधेयकों को पारित करवा लेती है। संसद की कार्यवाही स्थगित होने से सरकार को ही फायदा मिलता है। इस मानसून सत्र में कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें विपक्ष संसद में उठाना चाहेगा, जिनमें खाद्य पदार्थों की महंगाई, ईंधन की कीमतों में वृद्धि, अग्निपथ योजना, चीन के साथ गतिरोध का मुद्दा, पहली बार देश में डिजिटल मीडिया को विनियमित करने के लिए लाए जाने वाले नए कानून आदि शामिल होंगे। पिछले बजट सत्र के दौरान लोकसभा में 129 फीसदी और राज्यसभा में 98 फीसदी कामकाज हुआ था। लेकिन मानसून सत्र से ठीक पहले देश के प्रधान न्यायाधीश ने चिंता जताई है कि विपक्ष की जगह सिमट रही है। यह किसी भी संसदीय लोकतंत्र के लिए अच्छी खबर नहीं है। पिछले दिनों जो घटनाएं हुई हैं, उनसे दो चीजें पता चलती हैं। वैसे तो भाजपा का रवैया पहले से ही आक्रामक रहा है, लेकिन हालिया घटनाओं से स्पष्ट है कि वह विपक्ष के प्रति और आक्रामक हो गई है। जबकि विपक्ष और भी कमजोर होता जा रहा है तथा उसकी जगह लगातार सिकुड़ती जा रही है। इसलिए लगता है कि संसद का यह सत्र हंगामेदार रहने वाला है। इसी सत्र में राष्ट्रपति और

उपराष्ट्रपति के चुनाव भी होंगे, जिनमें भाजपा हावी रहेगी। संसद सत्र के पहले दिन ही राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होगा और यह लगभग पक्का है कि द्रौपदी मुर्मू अच्छे मतों के साथ राष्ट्रपति चुनी जाएंगी। एक आदिवासी महिला का देश के राष्ट्रपति पद के लिए चुना जाना बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमें यह नहीं मालूम कि इससे आदिवासियों की जिंदगी में कितना फर्क आएगा, लेकिन उनके मन में यह भावना पैदा हो सकती है कि मैं भी देश के सबसे शीर्ष पद को हासिल कर सकता या कर सकती हूं। भाजपा ने सोची-समझी रणनीति के तहत राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना। हिंदी भाषी प्रदेश और पश्चिमी भारत भाजपा के गढ़ हैं। हिंदी पट्टी और पश्चिमी भारत में जो सात-आठ राज्य आते हैं, वहां आदिवासियों की बड़ी संख्या है। भाजपा को लगता है कि पिछले दस वर्षों में उसके खिलाफ जो थोड़े-बहुत सत्ता-विरोधी रुझान पैदा हुए होंगे, उसकी भरपाई आदिवासी मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने से हो जाएगी। दूसरी बात यह है कि द्रौपदी मुर्मू संथाल हैं और भाजपा की नजर पूर्वी राज्यों-ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड पर है, जहां संथालों की बड़ी आबादी रहती है। इसलिए भाजपा चाहती है कि संथाल मतदाता विपक्ष के खेमे से निकल कर भाजपा के पाले में आएं। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान छह को होगा, और उसमें अलग ही समीकरण काम कर रहा है। राजग ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित किया है, जो जाट समुदाय से आते हैं और मूलतः राजस्थान से ताल्लुक रखते हैं। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में जाटों की बड़ी आबादी रहती है। किसान आंदोलन के दौरान जाट समुदाय के बहुत से लोग भाजपा से विमुख हो गए थे, जिन्हें फिर से भाजपा अपने खेमे में लाने की कोशिश कर रही है। भाजपा की नजर अब राजस्थान पर है। पिछले दिनों की घटनाओं के आधार पर भाजपा को लगता है कि वह फिर से राजस्थान में जीत सकती है, क्योंकि हिंदू मतदाताओं का ध्रुवीकरण हो सकता है। धनखड़ का जाट और राजस्थानी होना उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाने का प्रमुख कारण हो सकता है। इसके अलावा तीसरी बात यह है कि जगदीप धनखड़ ममता बनर्जी के प्रति काफी आक्रामक राज्यपाल के तौर पर नजर आए थे। भाजपा को लग रहा होगा कि अगर वह राज्यसभा के सभापति बनते हैं, तो विपक्ष को भी आड़े हाथों ले सकते हैं। इन्हीं वजहों से भाजपा ने उन्हें उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर चुना है। लेकिन जिस तरह से भाजपा ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार चुनकर एक राजनीतिक संदेश दिया है कि वह क्या करना चाहती है, विपक्ष वैसा नहीं कर पाया। विपक्ष अपने प्रत्याशी चयन के जरिये न तो कोई खास राजनीतिक संदेश दे पाया और न ही विपक्षी दल राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एकजुट रह पाया। जैसे कि ममता बनर्जी ने यशवंत सिन्हा के नाम का समर्थन किया, लेकिन पश्चिम बंगाल में उन्हें बुलाया ही नहीं। दूसरी ओर, उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन ने द्रौपदी मुर्मू के प्रति अपने समर्थन का एलान कर दिया। इसके अलावा, इस बीच दो और घटनाएं हुई हैं। एक तो यह एडवाइजरी जारी की गई है कि संसद सत्र के दौरान संसद परिसर में कोई धरना नहीं होगा और दूसरा, सत्र से ठीक पहले संसद सचिवालय द्वारा असंसदीय शब्दों की एक लंबी-चौड़ी सूची जारी की गई है। जब भाजपा लगातार चुनाव दर चुनाव जीतती जा रही है, विपक्ष को ध्वस्त करती जा रही है, और देश भर में उसका विस्तार होता जा रहा है, ऐसे में, असंसदीय शब्दों की सूची जारी करने का मतलब समझ में नहीं आता। इससे जनता के बीच गलत संदेश जा सकता है। सवाल उठता है कि भाजपा इतनी रक्षात्मक क्यों हो रही है। लोकतंत्र में छोटी-छोटी बातें बर्दाश्त करना स्वाभाविक होना चाहिए। कुल मिलाकर ऐसा लग रहा है कि मानसून सत्र के पहले से ही सत्तारूढ़ दल का रवैया विपक्ष के प्रति और ज्यादा आक्रामक हो गया है। जैसा कि प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि राजनीतिक विरोध शत्रुता में नहीं बदलना चाहिए। यह स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच खाई बढ़ती जा रही है। बेशक देश बहुमत से चलता है, लेकिन संसद सहमति से चलती है। उसके बिना संसद औपचारिकता बनकर रह जाती है।

पानी को लेकर हमारी सोच, मानसून भारत के अस्तित्व की धुरी

मानसून भारत के अस्तित्व की धुरी है। जो शहर-महानगर पूरे साल वायु प्रदूषण से हलकान रहते हैं, इसी मौसम में वहां के लोगों को सांस लेने को साफ हवा मिलती है। मानसून के आते ही देश के जो हिस्से पानी के लिए व्याकुल थे, पानी-पानी हो गए। जल संकट के लिए सबसे परेशान मध्य भारत में जैसे ही प्रकृति ने अपना आशीष बरसाया और ताल-तलैया, नदी-नाले उफन कर धरा को अमृतमय करने लगे, तो इसे तबाही, बर्बादी, विनाश कहा जाने लगा। पानी को ले कर हमारी सोच प्रारंभ से ही त्रुटिपूर्ण है। हमें बताया गया कि नदी, नहर, तालाब, झील आदि पानी के स्रोत हैं। हकीकत में हमारे यहां पानी का स्रोत केवल मानूसन ही है, नदी-दरिया तो पानी को सहेजने के स्थान मात्र हैं। यह धरती पानी के कारण ही जीवों से आबाद है, पर पानी के आगम मानसून की हम कदर नहीं करते। उसकी नियामत को सहेजने के स्थान हमने खुद उजाड़ दिए। गंगा-यमुना के उद्गम स्थल से छोटी नदियों के गांव-कस्बे तक बस यही हल्ला है कि बरसात ने खेत-गांव सब कुछ उजाड़ दिया। पर यह भी सच है कि मानसून के विदा होते ही उन सभी इलाकों में पानी के लिए मारा-

मारी होगी। यह देखने की जरूरत है कि मानसून में जल का विस्तार हमारी जमीन पर हुआ है या हमने ही जल विस्तार की नैसर्गिक परिधि पर कब्जा जमा लिया है। इस देश के लोकजीवन, अर्थव्यवस्था और पर्व-त्योहार का मूल आधार बरसात या मानसून का मिजाज ही है। मानसून भारत के अस्तित्व की धुरी है। जो शहर-महानगर पूरे साल वायु प्रदूषण से हलकान रहते हैं, इसी मौसम में वहां के लोगों को सांस लेने को साफ हवा मिलती है। खेती-हरियाली और साल भर के जल का प्रबंध इसी बरसात पर निर्भर है। इसके बावजूद जब प्रकृति अपना आशीष इन बूंदों के रूप में देती है, तो इसे खलनायक के रूप में देखा जाता है। इसका कारण यह है कि हमारे यहां मानसून को सम्मान देने की परंपरा खत्म होती जा रही है। इसका कारण है, तेजी से शहरों की ओर हो रहा पलायन और गांवों का शहरीकरण। विडंबना यह है कि हम अपनी जरूरतों का कुछ लीटर पानी घटाने को तो राजी हैं, पर मानसून से मिले जल को संरक्षित करने के मार्ग में खुद ही रोड़े अटकाते हैं, मानूसन को सहेजने वाली नदियों में पानी सुरक्षित रखने के बजाय रेत निकालने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। आज जिन इलाकों में नदी से तबाही पर विलाप हो रहा है, वे सभी इलाके किसी नदी के रास्ते में यह सोचकर बसा लिए गए कि अब तो नदी दूसरे रास्ते बह रही है। राजधानी दिल्ली में ही अक्षरधाम मंदिर से लेकर खेलगांव तक को लें, अदालती दस्तावेजों में खुरपेच कर यमुना के जल ग्रहण क्षेत्र में कॉलोनियां बसा ली गईं। उत्तर प्रदेश में गंगा-यमुना या उनकी सखी-सहेलियों को जहां भी बांधने के प्रयास हुए, वहां जल-प्रलय होता है। गुजरात का उदाहरण सामने है। नर्मदा के बंधने से उसके हर शहर की आधुनिकता पर 'पानी' फिर गया है। हमारी नदियां उथली हैं और कभी अतिक्रमण, कभी सुंदरता, तो कभी रिवर फ्रंट के नाम पर उन्हें संकरा किया गया। नदियों का अतिरिक्त पानी सहेजने वाले तालाब-बावली-कुएं नदारद हैं। फिर पानी सहेजने व उसके बहुद्देश्यीय इस्तेमाल के लिए बनाए गए बांध अरबों की लागत और दशकों के समय के बाद भी थोड़ी-सी बरसात को समेट नहीं पा रहे हैं। पहाड़, पेड़, और धरती को सामंजस्य के साथ खुला छोड़ा जाए, तो इंसान के लिए जरूरी साल भर के पानी को भूमि अपने गर्भ में ही सहेज ले। असल में हम मानसून के मिजाज, बदलते मौसम में बदलती बरसात और बरसात के जल को सहेज कर रखने के प्राकृतिक खजानों की रक्षा के प्रति न गंभीर हैं और न ही कुछ नया सीखना चाहते हैं। पूरा जल तंत्र महज भू-जल पर टिका है, जबकि यह सर्वविदित तथ्य है कि भू-जल पेयजल का सुरक्षित साधन नहीं है। हर घर तक नल से जल पहुंचाने की योजना का सफल क्रियान्वयन केवल मानूसन को सम्मान देने से ही संभव होगा। मानसून केवल भूगोल या मौसम विज्ञान नहीं है, इससे इंजीनियरिंग, ड्रेनेज, साफ-सफाई और कृषि सहित बहुत कुछ जुड़ा है। मानसून-प्रबंधन का गहन अध्ययन हमारे स्कूलों से लेकर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में हो, जिसके तहत केवल मानसून से पानी ही नहीं, उससे जुड़ी फसलों, सड़कों और शहरों में बरसाती पानी की निकासी के माकूल प्रबंध और संरक्षण जैसे अध्याय हों।

2023 का शिखर सम्मेलन जम्मू-कश्मीर में, चीन-पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ा

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का रुतबा बढ़ता ही जा रहा है। जी-20 जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों के संगठन की अध्यक्षता दिसंबर, 2022 से भारत संभालने जा रहा है! दुनिया की 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के संगठन जी-20 का 2023 का शिखर सम्मेलन जम्मू-कश्मीर में करने की तैयारी को देखते हुए पाकिस्तान और चीन बौखला उठा है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सरकार ने बीते 23 जून को शिखर सम्मेलन के आयोजन को लेकर पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। पाकिस्तान और चीन का कहना है कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है, इसलिए भारत को वहां जी-20 जैसा अंतरराष्ट्रीय आयोजन करने का अधिकार नहीं है। चूंकि इन दोनों देशों का नजरिया भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रहा है, इसलिए ऐसी प्रतिक्रियाएं नई नहीं हैं। नई बात यह है कि इस बार भारत सरकार का रुख रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक है। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दलाई लामा को, जिन्हें चीन अपना शत्रु मानता है, जन्मदिन पर फोन करके बधाई दी। जाहिर है, प्रधानमंत्री के इस रुख से चीन चिढ़ गया और उसने तुरंत प्रतिक्रिया दी कि भारत को दलाई लामा के चीन-विरोधी अलगाववादी स्वभाव को पहचानना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत

का रुतबा बढ़ता ही जा रहा है। जी-20 जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों के संगठन की अध्यक्षता दिसंबर, 2022 से भारत संभालने जा रहा है! चीन की बौखलाहट इसलिए भी है कि वह अभी तक भारत को कमजोर पड़ोसी मानता था, जिसकी 38 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि पर आक्साइ चिन क्षेत्र में उसने कब्जा किया हुआ है! वर्ष 2017 में वह भारत के सिलीगुड़ी गलियारे पर कब्जा करने के सपने देख रहा था, ताकि हमारे उत्तर पूर्वी राज्यों को देश की मुख्य भूमि से काटकर उन पर तिब्बत की तरह कब्जा कर सके! परंतु भारत ने उसके इरादों और सपनों पर पानी फेर दिया है! वह अरुणाचल प्रदेश और पूर्वी लद्दाख के क्षेत्रों पर भी दावा करता है और समय-समय पर घुसपैठ एवं झड़प को अंजाम देता है। सिलीगुड़ी गलियारे पर कब्जा करने की उसकी चाल को विफल कर भारतीय सेना ने उसे करारा जवाब दिया है। वर्ष 2019 में मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया, जिससे पूरी दुनिया में यह संदेश गया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है, और विवादित क्षेत्र केवल वह है, जिन पर पाकिस्तान और चीन का अवैध कब्जा है! पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति काफी बदहाल है। ऐसे में भारत के साथ वह एक दिन भी युद्ध करने की स्थिति में नहीं है। उसे चीन पर भरोसा है। इसी कारण चीन ने 2019 में भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर में सांविधानिक सुधारों के लागू होने के तुरंत बाद पाकिस्तान की शह पर पूर्वी लद्दाख के गलवान क्षेत्र में अचानक हमला कर दिया, जिसका भारत ने करारा जवाब दिया और उसे पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। चीन अपने पड़ोस में आक्रामक विस्तारवाद को अंजाम देता आया है, और अब वह आर्थिक विस्तारवाद की नीति को अपना रहा है। आर्थिक सहायता और ऋण के नाम पर वह छोटे-छोटे देशों में प्रवेश करता है तथा धीरे-धीरे उनकी अर्थव्यवस्था पर कब्जा कर लेता है! इसका ताजा उदाहरण है श्रीलंका और हिंद महासागर व अफ्रीका स्थित देश! पाकिस्तान भी चीन के इस कर्ज जाल में फंस चुका है, जिसका वहां विरोध भी हो रहा है। भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर आधारभूत ढांचे का निर्माण करने के अलावा सीमा पर पर्याप्त सैनिकों व लड़ाकू विमानों की तैनाती की है, जिनका प्रदर्शन दोकलाम और लद्दाख की गलवान घाटी में दुनिया ने देखा है। भारत की सैन्य शक्ति में आधुनिक मिसाइलों और लड़ाकू विमानों के आ जाने से चीन अच्छी तरह से समझ गया है कि इस क्षेत्र में उसने सैनिक संघर्ष शुरू किया, तो भारत उसकी सी पैक या बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव के लिए तैयार आधारभूत ढांचे को अपनी मिसाइलों से बर्बाद कर देगा! उसे समझ में आ गया है कि भारत अब 1962 वाला भारत नहीं रहा, बल्कि शक्तिशाली देश बन गया है। वस्तुतः भारत ने वह कहावत सिद्ध कर दी है कि युद्ध की तैयारी से ही शांति की गारंटी हो सकती है!

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक अदालत में वैवाहिक मामलों के निस्तारण के लिए की गई बैठक................

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणिशुक्ला

नोएडा । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए श्री मंजीत श्यौराण प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में वैवाहिक मामलों को प्री-लिटीगेशन स्तर चिन्हित कर निस्तारित कराने पर विचार- विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त पारिवारिक वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक चिन्हित व निस्तारण करने के लिए चर्चा की गयी तथा पक्षकारों को सम्मन/नोटिस आदि भिजवाने के लिए संबधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।उक्त बैठक में मंजीत कुमार श्यौराण, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, श्रीमती सन्हा नेगी, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, श्रीमती शिवानी त्यागी, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उपस्थित रही।

सावन का पहला सोमवार

नई दिल्ली । मंदिरों में लगी भक्तों की कतारआज सावन का पहला सोमवार है। राजधानी के मंदिरों में सवेरे से ही भक्तों की भीड़ लगी हुई है। इस बीच राजधानी में कांवडियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। फिलहाल हरियाणा और राजस्थान के कांवडिया दिल्ली से गुजरने लगे हैं। उनकी सुविधा के लिए दिल्ली सरकार के अलावा अनेक समाजसेवी संस्थाएं और समाजसेवक जुट गए हैं। जगह-जगह शिविर भी लगाए गए हैं। सावन माह शुरू होते ही इंद्र देव ने मौसम खुशनुमा कर दिया। कांवडिया की बम-बम, जय बम भोले जयघोष गूंजने लगे हैं। हरिद्वार से अभी राजस्थान और हरियाणा के भक्त ही आ रहे हैं। संभावना है कि अगले तीन-चार दिन में कांवडिया की संख्या बढ़ जाएगी। 26 जुलाई को कांवडिया शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे। राजधानी में कांवडिया ने उत्तर प्रदेश व हरियाणा की सीमा स्थित अप्सरा बॉर्डर, आनंद विहार, देहली गेट गाजीपुर, सिंघु आदि बॉर्डर से प्रवेश करना शुरू किया है। रिज रोड से अपने साथियों के साथ गुजर रहे राजस्थान के सीकर जिले के कांवडिया राहुल ढाका ने बताया कि उन्हें गांव तक जाने में काफी समय लगेगा।

जिला पंचायत सदस्य निर्वाचन के परिणाम घोषित जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिये निर्वाचन प्रमाण पत्र

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। संबंधित एआरओ द्वारा अपने-अपने आवंटित जिला पंचायत क्षेत्र के अभ्यथिर्यों को प्राप्त मतों की संख्या की घोषणा वार्डवार की गई। इसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर जिला पंचायत और कलेक्टर अनुराग वर्मा ने नवनिर्वाचित सदस्यों की विधिवत घोषणा कर निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए। नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों की वार्डवार जानकारी इस प्रकार हैः- वार्ड क्रमांक 1- सुभाष चंद्र बुनकर (पता- ग्राम पोस्ट रैगांव विकासखंड सोहावल) वार्ड क्रमांक 2- आरती चौधरी (ग्राम पवैया तहसील कोठी) वार्ड क्रमांक 3- बाबूलाल प्रजापति (ग्राम नीमी ग्राम पं. नीमी वृत्त पोस्ट बाबूपुर तह. रघुराजनगर) वार्ड क्रमांक 4- सोमवती विष्णु प्रताप सिंह लोधी (ग्राम पोस्ट सेमरवारा तहसील नागौद) वार्ड क्रमांक 5- पूजा गूजर (डिंकल) (ग्राम तुरकहा पोस्ट श्यामनगर तह. उचेहरा) वार्ड क्रमांक 6- संध्या कुशवाहा (ग्राम सुरदहा खुर्द हाल निवास बजरंग कॉलोनी नागौद) वार्ड क्रमांक 7- विमला कोल (ग्राम पोस्ट कुलगढ़ी तहसील उचेहरा) वार्ड क्रमांक 8- ज्ञानेंद्र सिंह 'ज्ञानू' (गृह क्र. 202क, वार्ड क्र. 13 ग्राम पंचायत भवन के पास ग्राम गोबरावंखुर्द पोस्ट लगरगवां तह. उचेहरा) वार्ड क्रमांक 9- राजेश परौहा 'झल्ला भैया' (404 दुबे मोहल्ला झुकेही तह. मैहर) वार्ड क्रमांक 10- जयंती महेश तिवारी (ग्राम पोस्ट बेरमा तह. मैहर) वार्ड

क्रमांक 11- श्रीधर उरमलिया (ग्राम पोस्ट भेड़ा तहसील मैहर) वार्ड क्रमांक 12- देवदत्त सोनी (ग्राम नादन शिवाप्रसाद पोस्ट नादन तह. मैहर) वार्ड क्रमांक 13- मंजूलता सिं (ग्राम कुड़वा पोस्ट आमातारा तह. मैहर) वार्ड क्रमांक 14- सुष्मिता पंकज सिंह (ग्राम ककलपुर पो. ककलपुर तह. रामपुर बघेलान) वार्ड क्रमांक 15- हरीश कांत त्रिपाठी (ग्राम नयनपुर (नकटी) पो. झिनन तह. अमरपाटन) वार्ड क्रमांक 16- तारा विजय पटेल (ग्राम उमरी शिवराजी पो. त्योंधरी तहसील रामपुर बघेलान) वार्ड क्रमांक 17- रामखेलावन कोल (ग्राम पोस्ट न्यू मिरगौती तह. रामनगर) वार्ड क्रमांक 18- पूजा सूरज गुप्ता (ग्राम खोमरेहा पो. अरगट तह. रामनगर) वार्ड क्रमांक 19- जान्हवी संतोष (ग्राम पोस्ट चितगढ़) वार्ड क्रमांक 20- रमाकांत पयासी (ग्राम देवमउ दलदल पो. दलदल तह. रामपुर बघेलान) वार्ड क्रमांक 21- महेंद्र सिंह 'पिथैपुर' (ग्राम पिथैपुर पो. सिजहटा) वार्ड क्रमांक 22- एकता अनूप सिंह (मतहा) (ग्राम मतहा तहसील रामपुर बघेलान) वार्ड क्रमांक 23- संजय सिंह (ग्राम पोस्ट मझगवां थाना मझगवां) वार्ड क्रमांक 24- लक्ष्मी देवी मवासी (ग्राम पोस्ट महतैन तहसील मझगवां) वार्ड क्रमांक 25- प्रियंका-भाई प्रेम लाल वर्मा (ग्राम पोस्ट नयागांव तहसील बिरसिंहपुर) वार्ड क्रमांक 26- रीतेश सावित्री त्रिपाठी (ग्राम पोस्ट झखौरा तहसील मझगवां) जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने जिले में त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 की प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपनन कराने के लिये दिये गये सहयोग के प्रति सतना जिले के ग्रामीण क्षेत्र के नागरिको, राजनैतिक दलो एवं अभ्यथिर्यों तथा चुनाव कार्य मे संलगनअधिकारियो-कर्मचारियो के प्रति आभार प्रकट किया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा तथा पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता द्वारा की गई तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के फलस्वरूप जिले में त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन की प्रक्रिया जिला प्रशासन और पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई है।

भाजपा की शानदार विजय सतना के महान मतदाताओं का धन्यवाद- सांसद गणेश सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। नगर पालिक सतना के चुनाव मे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री योगेश ताम्रकार एवं भाजपा के पार्षदों को शानदार विजय के लिए सांसद श्री सिंह ने बधाई देते हुए कहा है कि सतना नगर के महान मतदाताओं ने जो भारतीय जनता पार्टी में विश्वास जताया है उसके लिए मैं हृदय से अत्यंत आभारी हूं। चुनाव के दौरान जो बातें पार्टी के द्वारा जो बातें कही गई हैं उन पर तत्काल अमल किया जाएगा सतना शहर को विंध्य का सबसे सुंदर सुविधायुक्त शहर बनाने के लिए जो मतदान हुआ है उसका भारतीय जनता पार्टी पूरा सम्मान करती है। नगर पंचायतों में भी कोठी और उचेहरा में स्पष्ट बहुमत जैतवारा ,बिरसिंहपुर चित्रकूट में सर्वाधिक पार्षद भाजपा के विजई हुए हैं वहां के भी महान मतदाताओं को हृदय से धन्यवाद करता हूं। सांसद श्री सिंह ने कहां की योगेश ताम्रकार एक निष्ठावान भाजपा के अनुशासित कार्यकर्ता हैं। पार्टी की नीतियों के अनुसार तथा सतना के नागरिकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए बेहतर से बेहतर कार्य करेंगे। ऐसा मुझे पूरा विश्वास है इस जनादेश का भारतीय जनता पार्टी स्वागत करती है।

एक बुन्देली सांसद ने रखी बुंदेलखंड राज्य की बात, बाकी सांसद मौन क्यों

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानु सहाय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि गत लोकसभा (2014) चुनाव में झाँसी-ललितपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने आपके समक्ष बुन्देलखंड राज्य 3 साल के भीतर बनवा देने का वादा बुन्देलखंड की जनता ने किया था। 3 साल की जगह 8 साल 1माह पूरे हो गए है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सात जनपदों क्रमशः झाँसी, बांदा, जालौन, हमीरपुर, ललितपुर, चित्रकूट एवं महोबा को मिलाकर बुन्देलखंड विकास बोर्ड का गठन किया है। इसी प्रकार मध्य प्रदेश सरकार ने सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह, पनन, दतिया एवं निवाड़ी को मिलाकर बुन्देलखंड विकास प्राधिकरण का गठन किया है। इन्हीं समस्त जिलों को बुन्देलखंड मानकर केंद्र सरकार ने बुन्देलखंड पैकेज दिया था। इन क्षेत्रों के साथ लहार, पिछोर, करेरा, गोहांड, चंदेरी, गंजबासौदा, कटनी, सतना का चित्रकूट आदि क्षेत्रों को जोड़कर अखंड बुन्देलखंड राज्य का निर्माण किया जाना चाहिये। ज्ञापन देते हुए कहा गया कि बुंदेलखंड के एक मात्र शेर- दिल बुंदेली सांसद महोबा-हमीरपुर कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल द्वारा प्रथक अखण्ड बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण के लिए संसद में रखा गया प्राइवेट बिल रख कर बुंदेलखंड राज्य के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की लेकिन बुंदेलखंड की जनता आज जानना चाहती है की आठ बुन्देली सांसदो को क्यों सांप सूंघ गया ? उनके मुंह में दही क्यों जम गया है ? ज्ञापन देने वालों में रघुराज शर्मा, गिरजा शंकर राय, कुंवर बहादुर आदिम, हनीफ खान, प्रदीप नाथ झा, बंटी दुबे, रामजी सिंह जादौन, दुर्गा प्रसाद परीछा, प्रेम सपेरे, शुभम गोत्तम, प्रभु दयाल कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

सावन के प्रथम सोमवार को हिंदू जागरण मंच निकालेगा भव्य जलाभिषेक यात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। हिंदू जागरण मंच झाँसी के तत्वाधान में प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी दिनांक 18/07/2022 दिन सोमवार को प्रातः 10:00 बजे शहीद पार्क झोकन बाग से महाजलाभिषेक यात्रा का शुभारंभ किया जा रहा है जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में संघ के जिला प्रचारक सक्षम जी उपस्थित रहेंगे। जानकारी देते हुए हिंदू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष जयदीप खरे ने बताया यह यात्रा गोविंद चौराहा से जामा मस्जिद के सामने होती हुई ओरछा गेट से कसाई मंडी स्थित रतन का बाग शिव मंदिर पर समाप्त होगी। हिंदू जागरण मंच परंपरागत रूप से प्रत्येक वर्ष सावन माह के प्रथम सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करता है विगत 2 वर्षों से कोरोना काल के चलते यह संभव नहीं हो पाया था। इस वर्ष संगठन द्वारा लगभग 2000 शिवभक्तों के साथ यात्रा निकालने का संकल्प लिया गया है जिसमें सनातन धर्म के धर्माचार्य, बुद्धिजीवी, महिलाएं, पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे तथा शिव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। प्रेस वार्ता के दौरान प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य किशोर तिवारी, प्रांतीय सह संयोजक युवा वाहिनी पुरकेष अमरया, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, जिला महामंत्री अमर रायकवार, जिला कोषाध्यक्ष धरणेन्द्र जैन, महानगर अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह राजावत, जिलाध्यक्ष युवा वाहिनी छोटू कुशवाहा, जिला महामंत्री चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ0 विक्रम आनंद उपस्थित रहे।

मानेसर की झुग्गियों से पलायन कर गए 300 मुस्लिम परिवार

नई दिल्ली । इस बारे में पूछने पर मूल रूप से असम के बरपेटा जिले के रहने वाले नियामत अली ने बताया कि मानेसर में हुई महापंचायत के बाद लोगों ने काफी विचार-विमर्श किया और फि पलायन का फैसला किया। अपना आधार कार्ड दिखाते हुए उन्होंने पलायन करने वाले परिवारों का दर्द बयां किया। नियामत ने बताया कि उनके पास आधार कार्ड है लेकिन पुलिस वेरिफिकेशन नहीं हो पाया है जबकि महापंचायत में बिना पुलिस वेरिफिकेशन के रहने वालों को वापस भेजने का फैसला किया गया है। इस समय मानेसर में करीब 8-10 अल्पसंख्यक परिवार ही रह गए हैं।

छोटे छोटे बच्चो के मध्यान भोजन में भी खा गए भ्रष्टाचारि

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। आखिर क्यों जितना मिलता है क्यों संतुष्टि नहीं मिल पाती हैं भ्रष्टाचारी को शासन प्रशासन को इन पर जो क्यों नहीं है उचेहरा तहसील के ईचौल पंचायत में निर्मित स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना समूह बनाकर भोजन के नाम पर कमीशन निकला जाता है। हम बता दें कि यह मामला इचौल के शासकीय प्राथमिक विद्यालय देवी नगर का मामला है जहा मध्यान भोजन समूह सदस्य भ्रष्टाचारी करते ही सामने आए, हम बता दें कि शासकीय प्राथमिक विद्यालय देवि नगर में जहा मध्यान भोजन समूह की बहुत अधिक से जायदा लफर वही हो रही बच्चो का हिस्सा खाने मेभी इन्हे सारम नहीं आती 55 उपस्थित बच्चो में मात्र 1 डाल 3 चावल और सब्जी में तो और कमी हैं मात्र 3 आलू और तरोइया 4 में कैसे भोजन कर पाएंगे उनको पानी खाने में मिलता रहेगा जब इसकी जांच करने जब इचौल सचिव विर्जेश तिवारी को बुलाया गया तो देखकर हैरान हो गए कि कैसे। मनमानी से मध्यान भोजन समूह कार्य चल रहा है ना तो समय को देखा जाता नहीं है भोजन के लिए खुराग के बारे में उनको पता ही नहीं कि एक बच्चो को कितना मिलना चाहिए जब अध्यक्ष जो मध्यान भोजन समूह सदस्य को चलते हैं उनका नाम लखन कुशवाहा ,, है उनका राबिया देखकर उनसे पूछा गया उल्टा सीधा जवाब देने लगा सही तरह से कार्य नहीं कर रहे हैं मध्यान भोजन समूह सदस्य के जो कि कार्य भार करते है बोला कि 55 बच्चो को पर्याप्त हैं सदैव आइसे ही भोजन बनते हो कोई कमी नहीं हुई है तो आज कैसे हो सकती है।

छात्र छात्राओं के विधिक कौशल विकास हेतु जिला कारागार में शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। आज बाबू जगजीवन राम विधि संस्थान बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झाँसी द्वारा बीएएलएलबी अंतिम वर्ष के छात्र छात्राओं के विधिक कौशल विकास हेतु जिला कारागार में शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में जिला कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर पटेल एवं जेलर डॉक्टर सुरेश मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को जेल में महिला सेल, पुरुष सेल एवं जेल में उपलब्ध कैदियों को दी जा रही सुविधाओं से अवगत कराया एवं जेल मैनुअल में उल्लिखित कैदियों के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस शैक्षणिक भ्रमण में जिला कारागार के सुभाष चंद्र पांडे, आरएन गौतम, जगबीर सिंह चौहान एवं बीना बाजपेई का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में विभाग के डॉ राजेश सिंह एवं डॉ अभिषेक सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रितेश अग्रवाल ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ0 संदीप कुमार वर्मा के द्वारा व्यक्त किया गया।

नोएडा कांग्रेस टीम ने प्रमोद तिवारी का जन्मदिन मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणिशुक्ला

नोएडा । उत्तर प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के सदस्य सतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद एवं सीडब्लूयूसी मेंबर प्रमोद तिवारी के 'जन्मदिन' के शुभअवसर पर उनके दिल्ली स्थित आवास पर जाकर पगड़ी एव कार्यकर्ताओ का हृदय से आभार व्यक्त करते हुये कहा है कि आप सभी ने जन्मदिन को यादगार बनाया उसके लिए सभी का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करता हूँ एक जुटता के साथ मिलकर कॉंग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए सँघर्ष करते रहिए। बधाई

पटका पहनाकर एव केक काटकर कॉंग्रेस कार्यकर्ताओ ने बड़ी धूमधाम से जन्मदिन मनाया। सभी कॉंग्रेस कार्यकर्ताओ ने श्री तिवारी जी के लिए भगवान से दीर्घायु एव अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने सभी कॉंग्रेस देने वालो में प्रदेश सदस्य सतेन्द्र शर्मा,प्रदेश सदस्य लियाकत चौधरी,कॉंग्रेस नेता यतेंद्र शर्मा, नेता दयाशंकर पांडेय, सचिव जीतू शर्मा,सतपाल चाचा सहित अन्य सैकड़ों नेताओ ने प्रमोद तिवारी जी को जन्मदिन की बधाई दी।

भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में चोरी करने वाली 3 महिलाओं को पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणिशुक्ला

नोएडा । थाना सेक्टर-24 नोएडा पुलिस द्वारा साप्ताहिक बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों व शोभा यात्राओं से आभूषण चोरी करने वाली 03 महिला अभियुक्ता 1.सारिका निवासी दिल्ली 2.पायल निवासी दिल्ली 3.प्रतिमा निवासी दिल्ली को थाना क्षेत्र के ईएसआईसी के सामने ग्राम चौडा सेक्टर-22 नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से चोरी की एक सोने की चेन जिसकी कीमत लगभग 40 हजार रूपये व 500 रूपये नगद बरामद हुए है। दिनांक 01.07.2022 को थाना सेक्टर-24 नोएडा क्षेत्र के सेक्टर-34, नोएडा मे भगवान जगननथ शोभा यात्रा के दौरान अज्ञात महिलाओं द्वारा सोने की चेन चोरी करने की घटना के सम्बंध मे मु0अ0सं0 238/2022 धारा 379 भादवि पंजीकृत हुआ था जिसका सफल अनावरण करते हुए पुलिस द्वारा घटना में शामिल अभियुक्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। अभियुक्ताओं का विवरणः 1.सारिका निवासी दिल्ली 2.पायल निवासी दिल्ली 3.प्रतिमा निवासी दिल्ला **अभियोग का विवरणः** मु0अ0सं0 238/2022 धारा 379/411 भादवि थाना सेक्टर-24, नोएडा। **बरामदगी का विवरणः** 1.सोने की चेन जिसकी कीमत लगभग 40 हजार रूपये 2500 रूपये नगद।

बुन्देलखण्ड की ऐतिहासिक धरोहरों के विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग की क्षेत्रीय इकाई- झाँसी,राजकीय संग्रहालय- झाँसी तथा बुन्देलखण्ड पर्यटन विकास एवं पुरातत्व संरक्षण समिति के संयुक्त तत्वावधान में पुरातत्व अभिरुचि कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं को बुन्देलखण्ड की ऐतिहासिक धरोहर के विषय में जानकारी प्रदान करने हेतु व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन शासकीय महाविद्यालय तालबेहट में बुन्देलखण्ड पर्यटन विकास एवं पुरातत्व संरक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी के मुख्य आतिथ्य तथा राजकीय महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रीना वालिया की अध्यक्षता ,नगर पंचायत तालबेहट की अध्यक्ष मुक्ता सोनी, भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पं. हरिश्चन्द्र रावत, तालबेहट के ब्लॉक प्रमुख विजय सिंह गोलू राजा के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। वक्ता के रूप में क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, झाँसी मण्डल डॉ एस. के. दुबे ने बुन्देलखण्ड के समस्त जिलों के पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों को पावर पॉइंट

पर दर्शाते हुए उनके ऐतिहासिक महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह धरोहर हमारे गौरव शाली इतिहास का का प्रतीक है, इन सभी स्मारकों का संरक्षण अत्यन्त आवश्यक है। मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी ने कहा कि पर्यटन देश के दस प्रमुख उद्योगों में से एक है और बुन्देलखण्ड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं उन्होंने छात्र छात्राओं से पर्यटन एवं यात्रा प्रबन्धन सेक्टर में अपना भविष्य बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. मुक्ता सोनी ने कहा कि तालबेहट की भूमि महारानी लक्ष्मीबाई एवं राजा मर्दन सिंह से जानी जाती है उन्होंने उपस्थित छात्र छात्राओं से सोशल मीडिया के माध्यम से बुन्देलखण्ड के इतिहास के अध्ययन का आह्वान किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिश्चन्द्र रावत ने कहा उच्च शिक्षा के लिए ग्रामवासियों ने इस महाविद्यालय की स्थापना के लिए अपनी भूमि दान दी थी उन्होंने कहा कि वह क्षेत्र के विकास के लिए हर सम्भव प्रयास करेंगे। ब्लॉक प्रमुख विजय सिंह गोलू राजा ने कहा कि पुरातात्विक धरोहरों का संरक्षण अत्यन्त आवश्यक है। कार्यक्रम उपरान्त सभी अतिथियों ने चंदेलकालीन हजरिया महादेव मन्दिर में शंकर भगवान का पूजन अर्चन किया तथा नगर पंचायत तालबेहट द्वारा संचालित वोट क्लब का अवलोकन किया। इस अवसर पर समाजसेवी प्रेमनारायण बिलगैयां , सोम तिवारी, मुकेश कुमार , हिमांशु सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक गण तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेन्द्र कुमार तथा आभार महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रीना वालिया द्वारा व्यक्त किया।

तीसरे दिन राजकुमार राव की फिल्म में उछाल, पहले वीकएंड के बाद कमाए इतने करोड़

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव ज्यादातर किसी सामाजिक मुद्दे पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह अपने दर्शकों के लिए कुछ मसालेदार लेकर आए हैं। हिट द फर्स्ट केस तेलुगू में इसी नाम से बनी फिल्म का हिंदी रीमेक है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि दर्शकों को राजकुमार राव का ये रीमेक मसाला कुछ खास पसंद नहीं आ रहा है। बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म भी शाबाश मिथु की तरह संघर्ष कर रही है। फिल्म की कमाई का तीसरे दिन का आंकड़ा भी सामने आ चुका है। तो चलिए जानते हैं कि वीकएंड पर हिट द फर्स्ट केस ने कितने करोड़ की कमाई की है। राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन शैलेश कोलानू ने किया है। राजकुमार राव और सान्या पहली बार किसी फिल्म में साथ में नजर आए हैं। बता दें कि ये तेलुगू फिल्म का रीमेक है और उसमें विश्व सेन और रूहानी शर्मा मुख्य भूमिकाओं में थे। रिलीज के बाद ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई कर रही है। जानकारी के मुताबिक साउथ फिल्म का जल्द ही दूसरा पार्ट भी बनाने की तैयारी है। हिट द फर्स्ट केस के तीसरे दिन के कलेक्शन की बात करें तो शुक्रवार को ये फिल्म 1.35 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ रिलीज हुई थी। शनिवार को फिल्म ने 1.93 करोड़ और रविवार को 2.30 करोड़ का कलेक्शन किया है। लेकिन वीकएंड के हिसाब से ये कमाई काफी कम है। ऐसे में पहले वीकेंड के बाद हिट की कमाई 5.58 करोड़ रुपए हो गई है। हिट द फर्स्ट केस को टी-सीरीज़ के भूषण कुमार, दिल राजू, कृष्ण कुमार और कुलदीप राठौर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में राजकुमार राव एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई है। जो कि पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर से पीडित है। फिल्म में राजकुमार राव को अभिनय के लिए जमकर तारीफ मिल रही है।

वीकएंड पर भी लाखों में सिमटी 'शाबाश मिथु' की कमाइ

नई दिल्ली। फिल्म को नहीं मिल रहे दर्शकभारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज के जीवन पर आधारित फिल्म शाबाश मिथु शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। लेकिन ये फिल्म दर्शकों को कुछ खास पसंद नहीं आ रही है। फिल्म का तीसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ चुका है। जो बता रहा है कि वीकेंड के बाद भी क्रिकेट पर बनी किसी बायोपिक का कैसा हाल रहा है। बता दें कि हिंदी सिनेमा में वैसे तो क्रिकेट पर आधारित कई फिल्में बनी हैं, लेकिन उनमें से बहुत ही कम ऐसी हैं जो लोगों को पसंद आई हों। शाहिद कपूर की जर्सी के फ्लॉप होने के बाद दर्शकों को शाबाश मिथु से उम्मीद थी, लेकिन ये फिल्म की दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतर सकी। हमारे देश में आज भी पुरुष वर्चस्व है, बॉलीवुड, राजनीति या फिर क्रिकेट इन सभी जगहों पर। ऐसे में शायद आज भी हजारों लोग ऐसे मिल जाएंगे जिन्हें ये ही नहीं पता है कि आखिर मिताली राज हैं कौन। ऐसे में फिल्म का सही तरीके से प्रचार नहीं हो पाना भी इसकी विफलता का एक कारण हो सकता है। क्योंकि शाबाश मिथु सिर्फ क्रिकेट पर आधारित फिल्म नहीं है। इसमें मिताली के बचपन से लेकर महिला क्रिकेट टीम के कप्तान बनने तक के सफर को दिखाया गया है। ये फिल्म मिताली राज के संघर्ष की कहानी है। तापसी पन्नू और विजय राज जैसे एक्टर्स होने के बावजूद फिल्म की कमाई में कोई खास इजाफा देखने को नहीं मिल रहा है। वीकेंड पर भी जिस हिसाब से शाबाश मिथु कमाई कर रही, उससे ऐसा लग रहा है कि फिल्म को अपना बजट निकालना भी शायद मुश्किल हो जाएगा। महज 50 लाख की ओपनिंग के साथ शुरू हुई इस फिल्म ने शनिवार को 55 लाख रुपये की कमाई की। वहीं रविवार के आंकड़े की बात करें तो इस फिल्म ने रविवार को टिकट खिड़की पर सिर्फ 60 लाख रुपये ही कमाए हैं। बॉक्स ऑफिस पर अब तक फिल्म का कुल कलेक्शन 1.65 करोड़ रुपये हो चुका है। वीकेंड में फ्लॉप फिल्म का तमगा पाने की ओर बढ़ी इस फिल्म के तमाम शो सोमवार से कम किए जा रहे हैं, क्योंकि सिनेमाघरों में इसे देखने के लिए दर्शक ही नहीं हैं। जानकारी के मुताबिक मजह 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म का तीनों दिन का कलेक्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। अगर ऐसा ही चलता है तो आने वाले दिनों में क्रिकेट पर बनी ये फिल्म फ्लॉप की कैटेगरी में चली जाएगी।

डॉक्टरी की पढ़ाई छोड़ फिल्मों में आई थीं सौंदर्या

नई दिल्ली। फिल्म 'सूर्यवंशम' की राधा सिंह तो आपको याद होगी? इस फिल्म में अपने सौम्य स्वभाव और खूबसूरती से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली दिवंगत अभिनेत्री सौंदर्या का आज जन्मदिन है। सौंदर्या समय से पहले इस दुनिया को अलविदा कह गईं। किस्मत ने उन्हें फिल्मी दुनिया में अधिक समय तक रहने का मौका नहीं दिया, मगर उन्हें जितना वक्त नसीब हुआ उसी में उन्होंने अपनी अच्छी पहचान बनाई। लोग आज भी उन्हें याद करते हैं। अभिनेत्री बनना सौंदर्या का सपना था। एक्टिंग के लिए उनकी दीवानगी का आलम यह था कि उन्होंने इसके लिए अपनी डॉक्टरी की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी। बता दें कि सौंदर्या का जन्म 18 जुलाई 1972 को कर्नाटक के कोलार में कनन्ड़ फिल्मों के मशहूर एक्टर राइटर और प्रोड्यूसर के एस सत्यनारायण के घर हुआ था। सौंदर्या का बचपन का नाम सौम्या सत्यनारायण रखा गया। सौंदर्या को शुरू से ही एक्टिंग से लगाव था। हालांकि, इससे पहले वह अपनी पढ़ाई को पूरा समय दे रही थीं। सौंदर्या डॉक्टरी की पढ़ाई कर रही थी और डॉक्टरी की पढ़ाई का पहला ही साल था, तभी उनके पिता के एक दोस्त ने उन्हें फिल्म ऑफर कर दी। इस फिल्म का नाम था 'गंधर्व'। फिल्म का ऑफर मिलते ही मानो सौंदर्या का एक सपना सच हो गया। वह इस कदर खुश हो उठीं कि उन्होंने तुरंत डॉक्टरी की पढ़ाई छोड़ने का फैसला कर डाला। दिलचस्प बात यह है कि सौंदर्या के इस फैसले ने उन्हें निराश भी नहीं किया। उनकी यह पहली फिल्म इतनी हिट हुई कि सौंदर्या रातोंरात साउथ की बड़ी एक्ट्रेस बन गईं। सौंदर्या ने अपने जमाने में हर सुपरस्टार के साथ काम किया। उन्होंने दक्षिण सुपरस्टार रजनीकांत से लेकर बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन तक के साथ फिल्में कीं। तमिल, तेलुगु, कनन्ड़, मलयालम और हिंदी सिनेमा में वह अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब रहीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सौंदर्या इकलौती ऐसी अभिनेत्री थीं, जो लगातार पांच सालों तक दक्षिण सिनेमा की अभिनेत्रियों में नंबर वन पदवी पर रहीं। सौंदर्या वर्ष 1999 आई फिल्म 'सूर्यवंशम' में अमिताभ बच्चन की हीरोइन बनीं। उनके किरदार का नाम था राधा सिंह। 'सूर्यवंशम' में सौंदर्या के लिए रेखा ने आवाज दी थी। दरअसल, सौंदर्या को हिंदी अच्छे से नहीं आती थी, इसलिए रेखा को ही डबिंग के लिए चुना गया। दुखद बात यह है कि 'सूर्यवंशम' सौंदर्या की पहली और आखिरी बॉलीवुड फिल्म बनकर रह गई। दरअसल, 2004 में एक दर्दनाक हादसे में सौंदर्या की जान चली गई। सौंदर्या वर्ष 2004 में बीजेपी में शामिल हुई थीं। इसी साल लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी के वरिष्ठ नेता विद्या सागर राव और टीडीपी नेताओं की विधायकी के लिए वोट मांगने बेंगलुरू से आंध्रप्रदेश के करीम नगर एयरक्राफ्ट से उड़ान भरीं।

एक्टिंग स्कूल से भूमि पेडनेकर को दिखाया था बाहर का रास्ता

नई दिल्ली। जानें कैसे अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में जमाए अपने पैरबॉलीवुड की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने अभिनय के लिए भी जानी जाती हैं। कभी बढ़े हुए वजन के साथ इंडस्ट्री में कदम रखने वाली भूमि आज फिटनेस और खूबसूरती के मामले में कई एक्ट्रेसेस को टक्कर देती नजर आती है। भूमि हर साल 18 जुलाई को अपना जन्मदिन मनाती हैं। इस साल एक्ट्रेस अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ खास बातें- भूमि ने साल 2015 में फिल्म 'दम लगा के हईशा' फिल्म से बॉलीवुड में अपनी एंट्री की थी। फिल्म इंडस्ट्री में आने के साथ ही लोगों ने उन्हें लेकर कई तरह की बातें की। लेकिन एक्ट्रेस ने अपने अभिनय और हुनर से सबका मुंह बंद कर दिया। फिल्म 'दम लगा के हईशा' में भूमि का वजम काफी बढ़ा हुआ था। ऐसे में अपने आप फिट करने के लिए एक्ट्रेस ने खूब मेहनत की। उन्होंने वर्कआउट के साथ ही डाइट फॉलो करते हुए करीब 33 किलो वजन कम किया था। हालांकि, यह मुकाम हालिस करने में उन्हें एक साल लग गए। भूमि का जन्म 18 जुलाई 1989 को मुंबई में हुआ था। उनके जब 18 साल की थीं, तब ही उनके पिता का कैंसर से निधन हो गया था। पिता के निधन के बाद अभिनेत्री के परिवार को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लेकिन अपनी मेहनत और लगन से आज एक्ट्रेस इंडस्ट्री का एक जाना- माना नाम बन चुकी हैं। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि अपने अभिनय के लिए लोकप्रिय भूमि को एक समय एक्टिंग स्कूल से निकाल दिया गया था। 15 साल की उम्र में उनके माता- पिता ने एक्टिंग स्कूल में पढ़ाने के लिए लोन लिया था। लेकिन अटेंडेंस कम होने की वजह से उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया था। ऐसे में पढ़ाई का लोन चुकाने के लिए उन्होंने यशराज फिल्म्स में बतौर असिस्टेंट फिल्म डायरेक्टर काम किया और वहां से मिली सैलरी से अपना लोन पूरा किया। जीवन में तमाम मुश्किलें झेलने के बाद आखिरकार आज भूमि ने कामयाबी हासिल कर ली है। वह ना सिर्फ एक लोकप्रिय एक्ट्रेस हैं, बल्कि समाज के गंभीर मुद्दों को लोगों तक पहुंचाकर समाज के हित में भी काम कर रही हैं। अभिनेत्री के फिल्मी करियर की बात करें तो एक्ट्रेस ने 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा', 'शुभ मंगल सावधान' और 'सोन चिड़िया', 'पति पतनी और वो', 'बाला' और 'सांड की आंख' जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। भूमि आखिरी बार फिल्म बधाई दो में अभिनेता राजकुमार राव के साथ नजर आई थीं। वहीं, अब वह जल्द ही फिल्म रक्षाबंधन में एक्टर अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी।

60 के दशक की मशहूर अभिनेत्री थीं कल्पना

नई दिल्ली। शम्मी कपूर की इस बात ने खत्म किया करियरकल्पना मोहन हिंदी सिनेमा की वह अभिनेत्री हैं, जो महज 11 फिल्में करने के बाद भी 60 के दशक की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार थीं। अपनी अदाकारी के बल पर उन्होंने लोगों के दिलों पर राज किया। 18 जुलाई 1946 को श्रीनगर में जन्मी कल्पना मोहन ने दस साल तक बॉलीवुड में काम किया था। उनका सफर काफी छोटा था, लेकिन जब तक वह सिनेमा का हिस्सा रही बाकी अभिनेत्रियों के लिए खतरा बनी रहीं। तो चलिए आज उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर बात करते हैं उनके सफर की.. कल्पना मोहन का जन्म कश्मीर में हुआ था और उनके पिता अवनी मोहन स्वतंत्रता सेनानी थे। अवनी मोहन की जवाहर लाल नेहरू के साथ नजदीकियां थीं और ऐसे में वह अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी थे। कल्पना बचपन से ही कथक सीखती थीं और धीरे-धीरे उनकी सराहना भी की जाने लगी। राष्ट्रपति भवन में जब भी कोई कार्यक्रम होता तो नेहरू कल्पना को ही प्रस्तुति के लिए बुलाया करते थे। ऐसे ही एक प्रस्तुति के दौरान बलराज साहनी और उर्दू की लेखिका इस्मत चुगताई ने कल्पना मोहन को देखा तो उन्हें उनके अंदर अभिनेत्री की संभावनाएं नजर आईं। ऐसे में उन्होंने कल्पना मोहन को मुंबई आने की सलाह दी। इसके बाद कल्पना मुंबई आईं और 'प्यार की जीत' से डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें शम्मी कपूर के साथ 'प्रोफेसर' में काम करने का मौका मिला। इस फिल्म के बाद से वह दूसरी अभिनेत्रियों के लिए खतरा बन गई थीं, क्योंकि वह एक ट्रेंड डांसर के साथ अच्छी अदाकारी भी थीं। हर ओर कल्पना के चर्चे होने लगे थे और ऐसे में एक दिन देव आनंद ने उन्हें अपनी फिल्म 'तीन देवियां' ऑफर की। इस फिल्म में वह एक्ट्रेस नंदा और सिमी गरेवाल के साथ नजर आई थीं। प्रोफेसर' में शम्मी कपूर और कल्पना मोहन की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। ऐसे में वह जब दोबारा से उनकी जोड़ी को फिल्मी पर्दे पर उतारने के लिए शम्मी कपूर से डायरेक्टर ने बात की, तो उन्होंने साफ मना करा दिया। शम्मी ने कहा था कि कल्पना सनकी हैं। शम्मी उस दौर के बड़े हीरो थे, ऐसे में बाकी हीरो ने भी कल्पना के साथ काम करने से मना कर दिया। ऐसे में अपने गिरते करियर को देख कल्पना डिप्रेशन में चली गईं। लेकिन तभी उनकी जिंदगी में सचिन भौमिक की एंट्री हुई। कल्पना ने सचिन से शादी कर ली और फिल्मों दूरी बना ली। कल्पना और सचिन की शादी ज्यादा दिन तक नहीं चली। इसके बाद 1967 में कल्पना ने नेवी ऑफिसर से शादी की और दोनों के एक बेटी हुई। कल्पना ने इंटरव्यू में कहा था कि उनके ससुर उनसे अपना बंगला पति के नाम कर करने के लिए कहते थे। उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिसके बाद 1972 में दोनों अलग हो गए। कल्पना अपनी बेटी के साथ पुणे रहने लगे। आखिरी दिनों में उन्हें चेस्ट इंफेक्शन और लकवा मार गया था। पांच साल तक इस बीमारी से जूझने के बाद 2012 में उनका निधन हो गया।

हनुमान चालीसा को यूट्यूब पर मिले सबसे ज्यादा व्यूज

नई दिल्ली। टॉप 10 में बाकी नौ नंबरों पर ये देसी गानेफिल्म 'केजीएफ' के भोजपुरी संस्करण के यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखी गई फिल्म बनने के बाद इस बात को लेकर खोजबीन काफी दिन से जारी रही है कि आखिर यूट्यूब पर ऐसी कौन सी भारतीय संगीत रचना है जिसे सबसे ज्यादा व्यूज अब तक मिले हैं। इस बारे में यूट्यूब के आंकड़े खंगालने के बाद हरिओम शरण से लेकर मुकेश, लता मंगेशकर आदि कई दिग्गज गायकों ने गाया है लेकिन हनुमान चालीसा के जिस गायन को यूट्यब पर अब तक करीब 253 करोड़ से ज्यादा यानी ढाई अरब से भी अधिक व्यूज मिल चुके हैं, वह है हरिहरन की गाई हनुमान चालीसा। यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखी गई भारतीय संगीत रचना में हनुमान चालीसा ने व्यूज की गति हाल ही में हासिल की है। इससे पहले काफी दिनों तक पॉप सिंगर ध्वनि भानुशाली ही बिलियन बेबी के तौर पर मशहूर रहीं। बिलियन बेबी के नाम से मशहूर रही ध्वनि भानुशाली का गाना 'वास्ते' यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखी गई भारतीय संगीत रचनाओं में अब दूसरे नंबर पर है। इस गाने को अब तक 142 करोड़ व्यूज मिल चुके हैं। तीसरे नंबर प्रांजल दहिया का गाना '52 गज का दामन' रहा है और इसके व्यूज की संख्या ताजा आंकड़ों के हिसाब से 142 करोड़ के करीब है। पंजाबी गाना 'लौंग लाची' चौथे नंबर पर और 'मारी 2' गाना सबसे ज्यादा व्यूज पाने वाली भारतीय संगीत रचनाओं में पांचवें नंबर पर है।

जो रोचक तथ्य सामने आया है वह ये है कि तमाम धमाकेदार गानों में से किसी का इस लिस्ट में पहला नंबर नहीं लग सका है। तमाम भारतीय भाषाओं के फिल्मी गाने या सोलो गाने तो यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखी गई संगीत रचनाओं की टॉप 10 लिस्ट में तो शामिल हैं लेकिन, जिस भारतीय संगीत रचना को यूट्यूब पर सबसे ज्यादा बार देखा गया है, वह है गायक हरिहरन की गाई गोस्वामी तुलसीदास रचित 'हनुमान चालीसा'। इसके बाद के नौ नंबरों पर कौन सी संगीत रचनाएं हैं, आइए आपको बताते हैं। जी हां, देश में हनुमान चालीसा के जगह जगह सामूहिक पाठ शुरू होने के बाद से यूट्यूब पर भी हनुमान चालीसा लगातार ट्रेंड हो रही है। वैसे तो हनुमान चालीसा को

इस अभिनेत्री से बेइंतहा मोहब्बत करते थे काका

नई दिल्ली। आखिरी समय में भी थामे रहीं थीं हाथबॉलीवुड इंडस्ट्री के पहले मेगास्टार राजेश खनन ने अपनी अदाकारी से लोगों को दीवाना बनाया था। बॉलीवुड में काका के नाम से मशहूर राजेश खनन ने जैसा स्टारडम देखा है, कहते हैं वैसा किसी ने नहीं देखा। साल 1966 में रिलीज हुई फिल्म आखिरी खत से बॉलीवुड में कदम रखने वाले इस सुपरस्टार ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया, जिनमें आनंद, अराधना, अमर प्रेम, कटी पतंग, बावर्ची, आप की कसम, इत्तेफाक, हाथी मेरे साथी, अनुरोध, अंदाज, दाग, महबूबा, कर्म, स्वर्ग, छोटी बहू और मेरे जीवन साथी जैसी फिल्में शामिल हैं। आज ही के दिन यानि 18 जुलाई 2012 को उनका निधन हो गया था। उनको गुजरे हुए पूरे नौ साल हो चुके हैं, लेकिन आज भी वह अपने फैंस के दिलों में जिंदा हैं। राजेश खनन 70 और 80 के दशक के टॉप एक्टर कहे जाते हैं। कहते हैं कि बॉलीवुड में एक दौर ऐसा भी था जब राजेश खनन हिट फिल्म की गारंटी बन गए थे। फिल्मों में एंट्री लेते ही राजेश खनन हिट नहीं हुए थे, बल्कि कई साल के मेहनत के बाद उन्होंने सुपरस्टार का मुकाम हासिल किया था। राजेश खनन ने मार्च 1973 में एक्ट्रेस डिंपल कपाडिया से शादी कर ली थी। लेकिन दोनों ज्यादा लंबे समय तक साथ नहीं रहे। शादी के करीब 11 साल बाद यानी साल 1984 में दोनों अलग हो गए थे हालांकि उन्होंने तलाक नहीं लिया था। इनकी दो बेटियां हैं ट्विंकल खनन और रिंकी खनन। डिंपल कपाडिया से पहले राजेश खनन सात साल तक अभिनेत्री अंजू महेंद्रू के साथ रिलेशन में थे। राजेश खनन उनसे शादी करना चाहते थे, लेकिन अंजू हमेशा मना करती रहीं और बाद में दोनों के रास्ते अलग हो गए थे। इसके बाद राजेश खनन अंजू से बहुत नाराज रहते थे। कहा जाता है कि राजेश खनन जान बूझकर अपनी बारात अंजू के घर से लेकर गए थे और उन्होंने अंजू का करियर भी खत्म कर दिया था। बाद में करीब 17 साल तक अंजू और राजेश खनन ने एक दूसरे से बात नहीं की थी। अंजू ने बताया था कि राजेश खनन के निधन से कुछ समय पहले दोनों के रिश्ते ठीक हो गए थे और वो उनका ध्यान रखती थीं। साल 2012 में जब राजेश खनन का निधन हुआ तब अंजू उनके साथ थीं। दोनों में इस कदर मोहब्बत थी कि राजेश खनन के निधन के बाद अंजू ने कहा था कि मुझे इस बात की तसल्ली है कि जब उन्होंने अंतिम सांस ली, तब मैंने उनका हाथ पकड़ा हुआ था। अंजू अभी भी राजेश खनन को बहुत याद करती हैं। वह उनके जन्मदिन पर तस्वीरें भी साझा करती रहती हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने एक सवाल का दिया था गलत जवाब

नई दिल्ली। फिर इस वजह से मिला मिस वर्ल्ड का ताजबॉलीवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा 18 जुलाई यानी आज अपना 39वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर की रहने वाली प्रियंका चोपड़ा आज बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपना मुकाम बना चुकी हैं। उन्होंने साल 2000 में महज 17 साल की उम्र में मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम कर लिया था। इसके बाद मिस उनके लिए बॉलीवुड के रास्ते खुल गए और वह अपने अभिनय के दम पर आगे बढ़ती चली गईं। हालांकि प्रियंका चोपड़ा ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के दौरान एक सवाल का गलत जवाब दे दिया था, लेकिन उन्हें फिर भी मिस वर्ल्ड की ताज पहनाया गया था। तो चलिए जन्मदिन के मौके पर जानते हैं उनसे जुड़ा ये खास किस्सा। साल 2000 में 30 नवंबर को वो दिन था, जब भारत की बेटी प्रियंका चोपड़ा ने महज 17 बरस की उम्र में दुनिया में सबसे सुंदर होने का खिताब अपने नाम कर लिया था। लंदन के मिलेनियम डोम में हुई इस प्रतियोगिता के फाइनल दौर में प्रियंका चोपड़ा से सवाल किया गया कि वह किस जीवित महिला को दुनिया की सबसे सफल महिला मानती हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

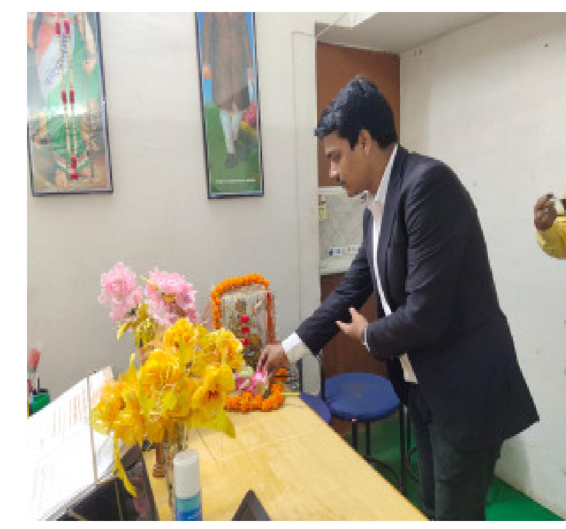

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

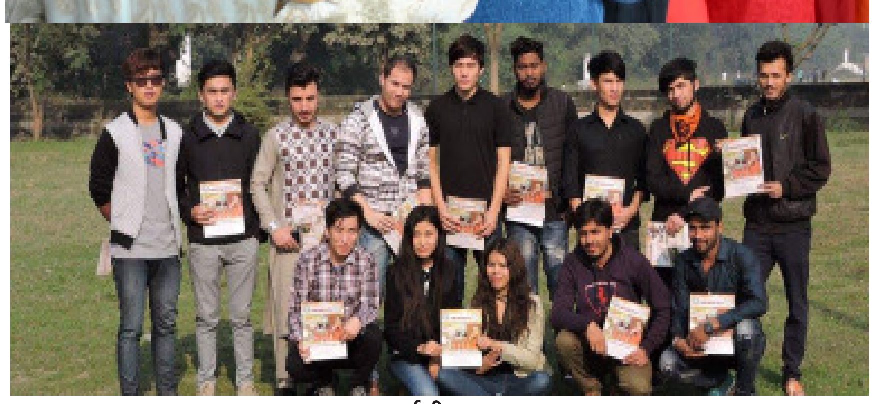

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274